# शिवसूत्राणि

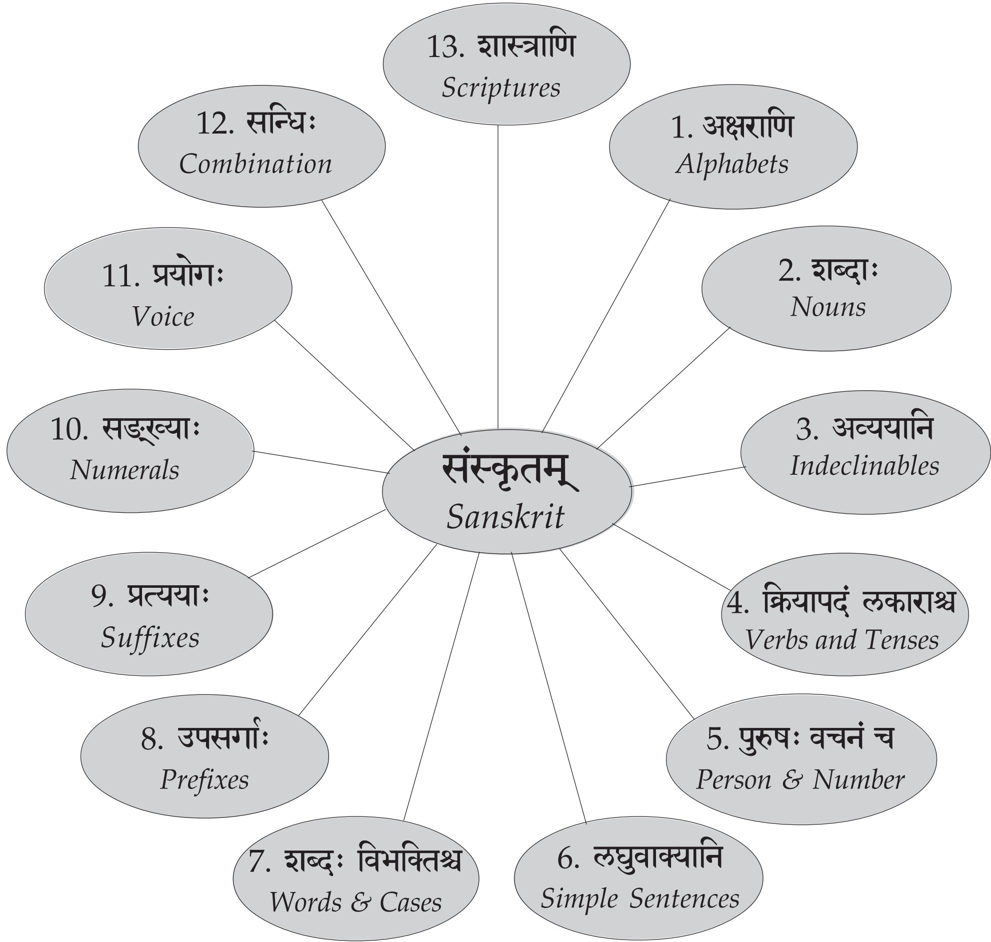
*Śivasūtras*

The sūtras below are called 'Śivasūtras'. According to tradition, these sūtras came out of Lord Śiva's ḍamaru (drum) during his tāṇḍava (dance of ecstasy) and Maharṣi Pāṇini recorded them. The entire Sanskrit grammar is based on these Śivasūtras.

1. अ इ उ (ण्)
2. ऋ ऌ (क्)
3. ए ओ (ङ्)
4. ऐ औ (च्)
5. ह य व र (ट्)
6. ल (ण्)
7. ञ म ङ ण न (म्)
8. झ भ (ञ्)
9. घ ढ ध (ष्)
10. ज ब ग ड द (श्)
11. ख फ छ ठ थ च ट त (व्)
12. क प (य्)
13. श ष स (र्)
14. ह (ल्)



## *Bird's Eye View*



# 1 अक्षराणि

*Alphabets*

Sanskrit alphabets are classified into four groups. They are:

1. स्वराः – Vowels
2. व्यञ्जनानि – Consonants
3. स्वरयुक्त-व्यञ्जनानि – Consonants with vowels
4. संयुक्त-व्यञ्जनानि – Conjunct consonants



## 1.1 स्वराः – *Vowels*

There are 13 vowels in the Sanskrit language. They are:

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ ऌ ए ऐ ओ औ

There are two more letters (1) Anusvāra and (2) Visarga represented by a 'dot' (ं) and two 'vertical dots' (ः) respectively. Example: अं and अः.



## 1.2 व्यञ्जनानि – *Consonants*

There are 33 consonants categorized into 8 groups.

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| क् | ख् | ग् | घ् | ङ् | – | क *group* |
| च् | छ् | ज् | झ् | ञ् | – | च *group* |
| ट् | ठ् | ड् | ढ् | ण् | – | ट *group* |
| त् | थ् | द् | ध् | न् | – | त *group* |
| प् | फ् | ब् | भ् | म् | – | प *group* |
| य् | र् | ल् | व् | | – | *semi-vowels* |
| श् | ष् | स् | | | – | *sibilants* |
| ह् | | | | | – | *aspirate* |



Almost all the consonants drop their 'vertical line' and the 'slanting line' that are below them to form half consonants. Note that their pronunciation does not change due to this modification.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | क् | = | क्‍ |
| 2. | ख् | = | ख्‍ |
| 3. | ग् | = | ग्‍ |
| 4. | घ् | = | घ्‍ |
| 5. | ङ् | = | – |
| 6. | च् | = | च्‍ |
| 7. | छ् | = | – |
| 8. | ज् | = | ज्‍ |
| 9. | झ् | = | झ्‍ |
| 10. | ञ् | = | ञ्‍ |
| 11. | ट् | = | – |
| 12. | ठ् | = | – |
| 13. | ड् | = | – |
| 14. | ढ् | = | – |
| 15. | ण् | = | ण्‍ |
| 16. | त् | = | त्‍ |
| 17. | थ् | = | थ्‍ |
| 18. | द् | = | – |
| 19. | ध् | = | ध्‍ |
| 20. | न् | = | न्‍ |
| 21. | प् | = | प्‍ |
| 22. | फ् | = | फ्‍ |
| 23. | ब् | = | ब्‍ |
| 24. | भ् | = | भ्‍ |
| 25. | म् | = | म्‍ |
| 26. | य् | = | य्‍ |
| 27. | र् | = | र्‍ |
| 28. | ल् | = | ल्‍ |
| 29. | व् | = | व्‍ |
| 30. | श् | = | श्‍ |
| 31. | ष् | = | ष्‍ |
| 32. | स् | = | स्‍ |
| 33. | ह् | = | – |

Observe that some of consonants do not have any vertical lines in them and therefore do not change. For example: ट् ठ् ढ् and ड्.

## 1.3. स्वरयुक्त-व्यञ्जनानि – *Consonants United with Vowels*

The consonants that are combined with vowels are called ‘svarayukta-vyañjanāni’.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| क् | + | अ | = | क |
| क् | + | आ | = | का |
| क् | + | इ | = | कि |
| क् | + | ई | = | की |
| क् | + | उ | = | कु |
| क् | + | ऊ | = | कू |
| क् | + | ऋ | = | कृ |
| क् | + | ॠ | = | कॄ |
| क् | + | ऌ | = | कॢ |
| क् | + | ए | = | के |
| क् | + | ऐ | = | कै |
| क् | + | ओ | = | को |
| क् | + | औ | = | कौ |

With anusvāra (ं) and visarga (ः), the forms are:

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| क् | + | अं | = | कं |
| क् | + | अः | = | कः |



*This chart gives you an overall view of all the svarayukta-vyañjanāni.*

| | अ | आ | इ | ई | उ | ऊ | ऋ | ॠ | ऌ | ए | ऐ | ओ | औ | अं | अः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क् | क | का | कि | की | कु | कू | कृ | कॄ | कॢ | के | कै | को | कौ | कं | कः |
| ख् | ख | खा | खि | खी | खु | खू | खृ | खॄ | खॢ | खे | खै | खो | खौ | खं | खः |
| ग् | ग | गा | गि | गी | गु | गू | गृ | गॄ | गॢ | गे | गै | गो | गौ | गं | गः |
| घ् | घ | घा | घि | घी | घु | घू | घृ | घॄ | घॢ | घे | घै | घो | घौ | घं | घः |
| ङ् | ङ | ङा | ङि | ङी | ङु | ङू | ङृ | ङॄ | ङॢ | ङे | ङै | ङो | ङौ | ङं | ङः |
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| च् | च | चा | चि | ची | चु | चू | चृ | चॄ | चॢ | चे | चै | चो | चौ | चं | चः |
| छ् | छ | छा | छि | छी | छु | छू | छृ | छॄ | छॢ | छे | छै | छो | छौ | छं | छः |
| ज् | ज | जा | जि | जी | जु | जू | जृ | जॄ | जॢ | जे | जै | जो | जौ | जं | जः |
| झ् | झ | झा | झि | झी | झु | झू | झृ | झॄ | झॢ | झे | झै | झो | झौ | झं | झः |
| ञ् | ञ | ञा | ञि | ञी | ञु | ञू | ञृ | ञॄ | ञॢ | ञे | ञै | ञो | ञौ | ञं | ञः |
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| ट् | ट | टा | टि | टी | टु | टू | टृ | टॄ | टॢ | टे | टै | टो | टौ | टं | टः |
| ठ् | ठ | ठा | ठि | ठी | ठु | ठू | ठृ | ठॄ | ठॢ | ठे | ठै | ठो | ठौ | ठं | ठः |
| ड् | ड | डा | डि | डी | डु | डू | डृ | डॄ | डॢ | डे | डै | डो | डौ | डं | डः |
| ढ् | ढ | ढा | ढि | ढी | ढु | ढू | ढृ | ढॄ | ढॢ | ढे | ढै | ढो | ढौ | ढं | ढः |
| ण् | ण | णा | णि | णी | णु | णू | णृ | णॄ | णॢ | णे | णै | णो | णौ | णं | णः |

| | अ | आ | इ | ई | उ | ऊ | ऋ | ॠ | ऌ | ए | ऐ | ओ | औ | अं | अः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| त् | त | ता | ति | ती | तु | तू | तृ | तॄ | तॢ | ते | तै | तो | तौ | तं | तः |
| थ् | थ | था | थि | थी | थु | थू | थृ | थॄ | थॢ | थे | थै | थो | थौ | थं | थः |
| द् | द | दा | दि | दी | दु | दू | दृ | दॄ | दॢ | दे | दै | दो | दौ | दं | दः |
| ध् | ध | धा | धि | धी | धु | धू | धृ | धॄ | धॢ | धे | धै | धो | धौ | धं | धः |
| न् | न | ना | नि | नी | नु | नू | नृ | नॄ | नॢ | ने | नै | नो | नौ | नं | नः |
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| प् | प | पा | पि | पी | पु | पू | पृ | पॄ | पॢ | पे | पै | पो | पौ | पं | पः |
| फ् | फ | फा | फि | फी | फु | फू | फृ | फॄ | फॢ | फे | फै | फो | फौ | फं | फः |
| ब् | ब | बा | बि | बी | बु | बू | बृ | बॄ | बॢ | बे | बै | बो | बौ | बं | बः |
| भ् | भ | भा | भि | भी | भु | भू | भृ | भॄ | भॢ | भे | भै | भो | भौ | भं | भः |
| म् | म | मा | मि | मी | मु | मू | मृ | मॄ | मॢ | मे | मै | मो | मौ | मं | मः |
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| य् | य | या | यि | यी | यु | यू | यृ | यॄ | यॢ | ये | यै | यो | यौ | यं | यः |
| र् | र | रा | रि | री | रु | रू | रृ | रॄ | रॢ | रे | रै | रो | रौ | रं | रः |
| ल् | ल | ला | लि | ली | लु | लू | लृ | लॄ | लॢ | ले | लै | लो | लौ | लं | लः |
| व् | व | वा | वि | वी | वु | वू | वृ | वॄ | वॢ | वे | वै | वो | वौ | वं | वः |
| श् | श | शा | शि | शी | शु | शू | शृ | शॄ | शॢ | शे | शै | शो | शौ | शं | शः |
| ष् | ष | षा | षि | षी | षु | षू | षृ | षॄ | षॢ | षे | षै | षो | षौ | षं | षः |
| स् | स | सा | सि | सी | सु | सू | सृ | सॄ | सॢ | से | सै | सो | सौ | सं | सः |
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| ह् | ह | हा | हि | ही | हु | हू | हृ | हॄ | हॢ | हे | है | हो | हौ | हं | हः |
| | | | | | | | | | | | | | | | |

## 1.4. संयुक्त-व्यञ्जनानि – *Conjunct Consonants*

A conjunct consonant is formed when two or more consonants are joined together. For ease of reading we have presented the second consonant with the vowel अ.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | क् | + | क | = | क्क |
| 2. | क् | + | त | = | क्त |
| 3. | क् | + | न | = | क्न |
| 4. | क् | + | म | = | क्म |
| 5. | क् | + | य | = | क्य |
| 6. | क् | + | ल | = | क्ल |
| 7. | क् | + | व | = | क्व |
| 8. | ख् | + | य | = | ख्य |
| 9. | ग् | + | ण | = | ग्ण |
| 10. | ग् | + | ध | = | ग्ध |
| 11. | ग् | + | न | = | ग्न |
| 12. | ग् | + | म | = | ग्म |
| 13. | ग् | + | य | = | ग्य |
| 14. | ग् | + | ल | = | ग्ल |
| 15. | ग् | + | व | = | ग्व |
| 16. | घ् | + | न | = | घ्न |
| 17. | च् | + | च | = | च्च |
| 18. | च् | + | छ | = | च्छ |
| 19. | च् | + | म | = | च्म |
| 20. | च् | + | य | = | च्य |
| 21. | ज् | + | ज | = | ज्ज |
| 22. | ज् | + | व | = | ज्व |
| 23. | ज् | + | य | = | ज्य |
| 24. | ञ् | + | छ | = | ञ्छ |
| 25. | ठ् | + | य | = | ठ्य |
| 26. | ड् | + | य | = | ड्य |
| 27. | द् | + | य | = | द्य |
| 28. | ण् | + | ट | = | ण्ट |
| 29. | ण् | + | ठ | = | ण्ठ |
| 30. | ण् | + | ड | = | ण्ड |
| 31. | ण् | + | ढ | = | ण्ढ |
| 32. | ण् | + | ण | = | ण्ण |
| 33. | ण् | + | म | = | ण्म |
| 34. | ण् | + | य | = | ण्य |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 35. | ण् | + | व | = ण्व |
| 36. | त् | + | थ | = त्थ |
| 37. | त् | + | न | = त्न |
| 38. | त् | + | प | = त्प |
| 39. | त् | + | म | = त्म |
| 40. | त् | + | य | = त्य |
| 41. | त् | + | व | = त्व |
| 42. | त् | + | स | = त्स |
| 43. | थ् | + | न | = थ्न |
| 44. | थ् | + | य | = थ्य |
| 45. | द् | + | भ | = द्भ |
| 46. | ध् | + | न | = ध्न |
| 47. | ध् | + | म | = ध्म |
| 48. | ध् | + | य | = ध्य |
| 49. | ध् | + | व | = ध्व |
| 50. | न् | + | त | = न्त |
| 51. | न् | + | द | = न्द |
| 52. | न् | + | ध | = न्ध |
| 53. | न् | + | म | = न्म |
| 54. | न् | + | य | = न्य |
| 55. | न् | + | व | = न्व |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 56. | प् | + | त | = प्त |
| 57. | प् | + | न | = प्न |
| 58. | प् | + | य | = प्य |
| 59. | प् | + | ल | = प्ल |
| 60. | प् | + | स | = प्स |
| 61. | फ् | + | य | = फ्य |
| 62. | ब् | + | ज | = ब्ज |
| 63. | ब् | + | द | = ब्द |
| 64. | ब् | + | ध | = ब्ध |
| 65. | भ् | + | य | = भ्य |
| 66. | म् | + | न | = म्न |
| 67. | म् | + | प | = म्प |
| 68. | म् | + | ब | = म्ब |
| 69. | म् | + | भ | = म्भ |
| 70. | म् | + | म | = म्म |
| 71. | म् | + | य | = म्य |
| 72. | म् | + | ल | = म्ल |
| 73. | य् | + | य | = य्य |
| 74. | ल् | + | क | = ल्क |
| 75. | ल् | + | प | = ल्प |
| 76. | ल् | + | म | = ल्म |

77. ल् + य = ल्य
78. ल् + ल = ल्ल
79. ल् + व = ल्व
80. व् + य = व्य
81. श् + च = श्च
82. श् + न = श्न
83. श् + म = श्म
84. श् + य = श्य
85. श् + व = श्व
86. श् + ल = श्ल
87. ष् + क = ष्क
88. ष् + ट = ष्ट
89. ष् + ठ = ष्ठ
90. ष् + ण = ष्ण
91. ष् + प = ष्प
92. ष् + म = ष्म
93. ष् + य = ष्य
94. ष् + व = ष्व
95. स् + क = स्क
96. स् + ख = स्ख
97. स् + त = स्त
98. स् + थ = स्थ
99. स् + प = स्प
100. स् + फ = स्फ
101. स् + म = स्म
102. स् + य = स्य
103. स् + व = स्व



When र् precedes any consonant, the symbol ( ॅ ) is used above the succeeding consonant.

104. र् + क = र्क
105. र् + ग = र्ग
106. र् + घ = र्घ
107. र् + च = र्च
108. र् + ज = र्ज
109. र् + म = र्म

When र follows a consonant it is represented with a slanting line below the preceding consonant.

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 110. क् | + | र | = | क्र | 117. ब् | + | र | = | ब्र |
| 111. ख् | + | र | = | ख्र | 118. भ् | + | र | = | भ्र |
| 112. ग् | + | र | = | ग्र | 119. म् | + | र | = | म्र |
| 113. घ् | + | र | = | घ्र | 120. व् | + | र | = | व्र |
| 114. ज् | + | र | = | ज्र | 121. श् | + | र | = | श्र |
| 115. द् | + | र | = | द्र | 122. स् | + | र | = | स्र |
| 116. प् | + | र | = | प्र | 123. ह् | + | र | = | ह्र |

When certain consonants combine with र, the र sound is represented by the symbol ( ‸ ) written below the consonant.

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 124. छ् | + | र | = | छ्र | 127. ड् | + | र | = | ड्र |
| 125. ट् | + | र | = | ट्र | 128. ढ् | + | र | = | ढ्र |
| 126. ठ् | + | र | = | ठ्र | | | | | |

Some more conjunct consonants:

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 129. क् | + | न | = | क्न | 134. ध् | + | न | = | ध्न |
| 130. ख् | + | न | = | ख्न | 135. न् | + | न | = | न्न |
| 131. ग् | + | न | = | ग्न | 136. प् | + | न | = | प्न |
| 132. घ | + | न | = | घ्न | 137. ब् | + | न | = | ब्न |
| 133. त् | + | न | = | त्न | 138. भ् | + | न | = | भ्न |

139. म् + न = म्न
140. व् + न = व्न
141. श् + न = श्न
142. स् + न = स्न
143. ह् + न = ह्न
144. क् + ल = क्ल
145. ङ् + क = ङ्क
146. ङ् + ख = ङ्ख
147. ङ् + ग = ङ्ग
148. च् + च = च्च
149. ज् + ज = ज्ज
150. ञ् + च = ञ्च
151. ञ् + ज = ञ्ज
152. ट् + ट = ट्ट
153. ठ् + य = ठ्य
154. ड् + य = ड्य
155. ढ् + य = ढ्य
156. त् + त = त्त
157. द् + ग = द्ग
158. द् + द = द्द
159. द् + ध = द्ध
160. द् + भ = द्भ
161. द् + म = द्म
162. द् + य = द्य
163. द् + व = द्व
164. द् + ब = द्ब
165. प् + त = प्त
166. ल् + ल = ल्ल
167. श् + च = श्च
168. श् + ल = श्ल
169. श् + व = श्व
170. ष् + ट = ष्ट
171. ष् + ठ = ष्ठ
172. ह् + ण = ह्ण
173. ह् + म = ह्म
174. ह् + य = ह्य
175. ह् + ल = ह्ल
176. ह् + व = ह्व

Note the following conjunct consonants. Their forms make them unique.

177. क् + ष = क्ष

178. त् + र = त्र

179. ज् + ञ = ज्ञ

Given below are a few conjunct consonants that are formed by the combination of three consonants.

180. क् + त् + व = क्त्व

181. क् + ष् + ण = क्ष्ण

182. क् + ष् + म = क्ष्म

183. क् + ष् + य = क्ष्य

184. क् + ष् + व = क्ष्व

185. ग् + भ् + य = ग्भ्य

186. ङ् + क् + त = ङ्क्त

187. ङ् + घ् + य = ङ्घ्य

188. च् + छ् + र = च्छ्र

189. च् + छ् + व = च्छ्व

190. ण् + ट् + य = ण्ट्य

191. त् + त् + व = त्त्व

192. त् + प् + र = त्प्र

193. त् + म् + य = त्म्य

194. त् + र् + य = त्र्य

195. त् + स् + न = त्स्न

196. त् + स् + य = त्स्य

197. द् + ध् + व = द्ध्व

198. द् + भ् + य = द्भ्य

199. द् + र् + य = द्र्य

200. न् + त् + य = न्त्य

201. न् + त् + र = न्त्र

202. न् + द् + य = न्द्य

203. न् + द् + र = न्द्र

204. न् + ध् + र = न्ध्र

205. म् + प् + र = म्प्र

206. र् + ग् + य = र्ग्य

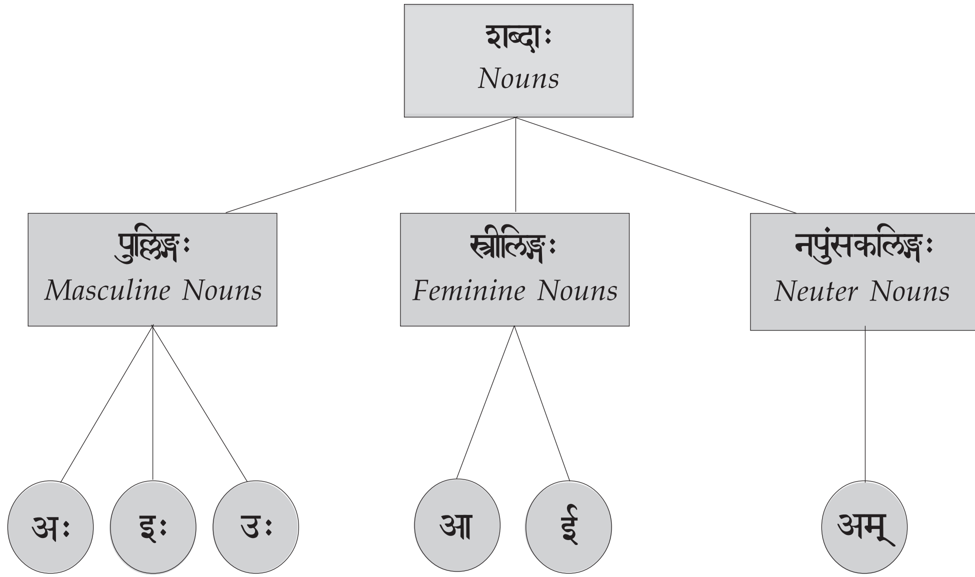
207. र् + घ् + य = र्घ्य

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 208. | श् | + | च् | + | य | = | श्च्य | | 212. | ष् | + | प् | + | र | = | ष्प्र |
| 209. | ष् | + | ट् | + | य | = | ष्ट्य | | 213. | स् | + | त् | + | य | = | स्त्य |
| 210. | ष् | + | ट् | + | र | = | ष्ट्र | | 214. | स् | + | त् | + | र | = | स्त्र |
| 211. | ष् | + | ट् | + | व | = | ष्ट्व | | 215. | स् | + | त् | + | व | = | स्त्व |



# 2 शब्दाः
## *Nouns*

Based on their gender, nouns are classified into three types – masculine, feminine and neuter. The specific mention of the noun's gender is found in texts such as *Amara-kośa*. However, some rules are given here for the students' easy comprehension.






### 2.1 पुल्लिङ्गः – *Masculine Gender Nouns*

Words which end with अः, इः and उः are usually masculine gender nouns. When two vertical dots (ः) are put after any letter it is called 'visarga'. When words end with अः, they are called akārānta-pulliṅga; when they end with इः, they are called ikārānta-pulliṅga; and when they end with उः, they are called ukārānta-pulliṅga.

## 2.2 स्त्रीलिङ्गः – *Feminine Gender Nouns*

Words that end with आ and ई are usually feminine gender nouns (ākārānta-strīliṅga and īkārānta-strīliṅga).

## 2.3 नपुंसकलिङ्गः – *Neuter Gender Nouns*

Words that end with अम् are usually neuter gender nouns (akārānta-napuṁsakaliṅga).



*Masculine Gender Nouns*

| Words ending with अः | Words ending with इः | Words ending with उः |
|---|---|---|
| 1. अजः | 1. अरिः | 1. इन्दुः |
| 2. अर्थः | 2. कविः | 2. गुरुः |
| 3. रामः | 3. पतिः | 3. तरुः |
| 4. करः | 4. मुनिः | 4. शम्भुः |
| 5. दूतः | 5. अग्निः | 5. रिपुः |

*Feminine Gender Nouns*

| Words ending with आ | Words ending with ई |
|---|---|
| 1. भार्या | 1. नदी |
| 2. छाया | 2. नारी |
| 3. माया | 3. पत्नी |
| 4. चिन्ता | 4. पार्वती |

*Neuter Gender Nouns*

Words ending with अम्

1. चित्रम्
2. भवनम्
3. क्षेत्रम्
4. उपवनम्



## *More Masculine Gender Nouns*

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | अजः | – | Goat |
| 2. | अर्थः | – | Meaning |
| 3. | अलसः | – | Lazy person |
| 4. | अनलः | – | Fire |
| 5. | अनुगः | – | Follower |
| 6. | अश्वः | – | Horse |
| 7. | अधरः | – | Lip |
| 8. | जयः | – | Victory |
| 9. | अरिः | – | Enemy |
| 10. | अनिलः | – | Wind |
| 11. | अभिभवः | – | Insult |
| 12. | आचार्यः | – | Teacher |
| 13. | आदेशः | – | Order |
| 14. | आदर्शः | – | Mirror |
| 15. | आहारः | – | Food |
| 16. | इन्दुः | – | Moon |
| 17. | उद्यमः | – | Effort |
| 18. | अङ्कुरः | – | Sprout |
| 19. | काकः | – | Crow |
| 20. | कन्दुकः | – | Ball |
| 21. | कवाटः | – | Door |
| 22. | कविः | – | Poet |
| 23. | कालः | – | Time |
| 24. | कीटः | – | Worm |
| 25. | कूपः | – | Well |
| 26. | कृषीवलः | – | Farmer |
| 27. | केशः | – | Hair |
| 28. | कोविदः | – | Expert |
| 29. | कोशः | – | Treasure |
| 30. | खरः | – | Donkey |
| 31. | खगः | – | Bird |
| 32. | खलः | – | Wicked man |
| 33. | गायकः | – | Singer |
| 34. | घटः | – | Pot |
| 35. | घ्राणः | – | Nose |
| 36. | चतुरः | – | Clever |
| 37. | चक्षुः | – | Eye |
| 38. | चित्रकः | – | Leopard |
| 39. | चोरः | – | Thief |
| 40. | जलदः | – | Cloud |
| 41. | जनगणः | – | Community |
| 42. | जन्तुः | – | A creature |
| 43. | तरुः | – | Tree |
| 44. | तुषारः | – | Dew, mist |

| | | |
|---|---|---|
| 45. दक्षः | – | Expert |
| 46. दक्षिणहस्तः | – | Right hand |
| 47. दशनः | – | Tooth |
| 48. दूतः | – | Messenger |
| 49. नटः | – | Actor |
| 50. नरः | – | Man |
| 51. नारिकेलः | – | Coconut |
| 52. नाविकः | – | Boat-man |
| 53. नृपतिः | – | King |
| 54. पतिः | – | Leader |
| 55. पक्षः | – | Wing |
| 56. पटुः | – | Smart person |
| 57. परोपकारः | – | Help |
| 58. परापकारः | – | Harm |
| 59. पाणिः | – | Palm |
| 60. विद्यालयः | – | School |
| 61. पावकः | – | Fire |
| 62. प्रातराशः | – | Breakfast |
| 63. अन्तकः | – | Yama |
| 64. बालः | – | Boy |
| 65. भक्तः | – | Devotee |
| 66. भटः | – | Soldier |
| 67. भेकः | – | Frog |
| 68. समुद्रः | – | Ocean |
| 69. मस्तकः | – | Head |
| 70. मेषपालः | – | Shepherd |
| 71. मोघः | – | Vain |
| 72. यतिः | – | Saint |
| 73. रथः | – | Chariot |
| 74. रिक्तः | – | Empty |
| 75. रिपुः | – | Enemy |
| 76. लोकः | – | World |
| 77. वक्षः | – | Chest |
| 78. वटवृक्षः | – | Banyan tree |
| 79. वत्सः | – | Calf |
| 80. वामहस्तः | – | Left hand |
| 81. वातः | – | Wind |
| 82. विवादः | – | Dispute |
| 83. विघ्नः | – | Obstacle |
| 84. विशालः | – | Big |
| 85. व्यायामः | – | Exercise |
| 86. शालिः | – | Paddy |
| 87. शाकटिकः | – | Cart-man |
| 88. शिशुः | – | Child |

| | | |
|---|---|---|
| 89. शम्भुः | – | Lord Śiva |
| 90. सरः | – | Tank |
| 91. स्कन्धः | – | Shoulder |
| 92. हारः | – | Garland |
| 93. हीरकः | – | Diamond |



*More Feminine Gender Nouns*

| | | |
|---|---|---|
| 1. अटवी | – | Forest |
| 2. आशा | – | Desire |
| 3. कन्या | – | Girl |
| 4. कर्तरी | – | Scissor |
| 5. कुञ्चिका | – | Key |
| 6. कौमुदी | – | Moonlight |
| 7. घण्टा | – | Bell |
| 8. चिन्ता | – | Worry |
| 9. चूडा | – | Crest |
| 10. जननी | – | Mother |
| 11. देवता | – | Goddess |
| 12. धरा | – | Earth |
| 13. धात्री | – | Nurse |
| 14. नारी | – | Woman |
| 15. नासा | – | Nose |
| 16. नौका | – | Boat |
| 17. पत्नी | – | Wife |
| 18. पत्रिका | – | Letter |
| 19. पेटिका | – | Box |
| 20. भार्या | – | Wife |
| 21. मही | – | Earth |
| 22. माला | – | Garland |
| 23. मृषा | – | Falsehood |
| 24. मृत्तिका | – | Clay |
| 25. मेधा | – | Memory |
| 26. लक्ष्मी | – | Lakṣmī |
| 27. वाहिनी | – | Army |
| 28. वार्ता | – | News |
| 29. विद्या | – | Knowledge |
| 30. वीथी | – | Street |
| 31. वेदना | – | Pain |
| 32. शर्करा | – | Sugar |
| 33. शर्वरी | – | Night |
| 34. शाखा | – | Branch |
| 35. शुण्डा | – | Trunk |
| 36. सभा | – | Assembly |
| 37. स्पृहा | – | Desire |

*More Neuter Gender Nouns*

1. अक्षरम् – Alphabet
2. अजिनम् – Deer-skin
3. अम्बरम् – Sky
4. अनृतम् – Falsehood
5. अध्ययनम् – Study
6. आननम् – Face
7. आभरणम् – Ornament
8. उत्तरम् – Answer
9. उद्यानम् – Garden
10. उदरम् – Stomach
11. उपवनम् – Garden
12. ओदनम् – Cooked rice
13. औषधम् – Medicine
14. कर्गलम् – Paper
15. कन्दम् – Root
16. कलत्रम् – Wife
17. कलेवरम् – Body
18. कर्मगृहम् – Work-place
19. काव्यम् – Poetry
20. कुण्डलम् – Earring
21. कौशलम् – Skill
22. कोटरम् – Hollow of a tree
23. गात्रम् – Body
24. गोपुरम् – Tower
25. घृतम् – Ghee
26. चित्रम् – Picture
27. चक्रम् – Wheel
28. छत्रम् – Umbrella
29. छिद्रम् – Hole
30. जठरम् – Belly
31. तटाकम् – Lake
32. तृणम् – Grass
33. तोयम् – Water
34. दुग्धम् – Milk
35. धनम् – Wealth
36. धान्यम् – Grain
37. धैर्यम् – Courage
38. नक्षत्रम् – Star
39. नयनम् – Eye
40. नीडम् – Nest
41. नगरम् – City
42. पदम् – Step
43. पञ्जरम् – Cage
44. पर्णम् – Leaf
45. पात्रम् – Vessel

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 46. पातकम् | – | Sin | 58. वस्त्रम् | – | Dress |
| 47. पुष्पम् | – | Flower | 59. विश्वम् | – | World |
| 48. फलम् | – | Fruit | 60. शकटम् | – | Cart |
| 49. बन्धनम् | – | Bondage | 61. शाकम् | – | Vegetable |
| 50. भवनम् | – | House | 62. साहसम् | – | Bravery |
| 51. मूल्यम् | – | Price | 63. सोपानम् | – | Step, stairs |
| 52. मोदकम् | – | Sweet ball | 64. स्वच्छम् | – | Clean |
| 53. योजनम् | – | 8 miles | 65. हिमम् | – | Snow |
| 54. ललाटम् | – | Forehead | 66. क्षीरम् | – | Milk |
| 55. लवणम् | – | Salt | 67. क्षेत्रम् | – | Field |
| 56. लोचनम् | – | Eye | 68. ज्ञानम् | – | Knowledge |
| 57. वदनम् | – | Face | | | |



## फलानि – *Fruits*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. कदलीफलम् | – | Banana | 6. अनानसफलम् | – | Pineapple |
| 2. नारङ्गफलम् | – | Orange | 7. दाडिमफलम् | – | Pomegranate |
| 3. निम्बूकफलम् | – | Lemon | 8. बहुबीजफलम् | – | Guava |
| 4. द्राक्षाफलम् | – | Grape | 9. आम्रफलम् | – | Mango |
| 5. पनसफलम् | – | Jackfruit | | | |



## मृगाः – *Animals*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. धेनुः | – | Cow | 4. मार्जारः | – | Cat |
| 2. कुक्कुरः | – | Dog | 5. सिंहः | – | Lion |
| 3. गजः | – | Elephant | 6. वानरः | – | Monkey |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 7. | मूषकः – | Rat | 12. | शशः – | Rabbit |
| 8. | व्याघ्रः – | Tiger | 13. | गर्दभः – | Donkey |
| 9. | उष्ट्रः – | Camel | 14. | वराहः – | Pig |
| 10. | हरिणः – | Deer | 15. | शृगालः – | Fox |
| 11. | भल्लूकः – | Bear | 16. | वृकः – | Wolf |



### पक्षिणः – *Birds*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | हंसः – | Swan | 7. | कुक्कुटी – | Hen |
| 2. | मयूरः – | Peacock | 8. | कपोतः – | Dove |
| 3. | कोकिलः – | Cuckoo | 9. | उलूकः – | Owl |
| 4. | शुकः – | Parrot | 10. | बकः – | Crane |
| 5. | काकः – | Crow | 11. | चटकः – | Sparrow |
| 6. | कुक्कुटः – | Cock | | | |



### प्राणिनः – *(Other) Living Beings*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | मण्डूकः – | Frog | 7. | गृहगोधिका – | House lizard |
| 2. | मत्स्यः – | Fish | 8. | वृश्चिकः – | Scorpion |
| 3. | कूर्मः – | Tortoise | 9. | मक्षिका – | Fly |
| 4. | मकरः – | Crocodile | 10. | मशकः – | Mosquito |
| 5. | सर्पः – | Snake | 11. | मधुकरः – | Honeybee |
| 6. | कर्कटः – | Crab | 12. | पिपीलिका – | Ant |



### वर्णाः – *Colours*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | कृष्णः – | Black | 2. | श्वेतः – | White |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3. | पीतः | – | Yellow | 6. | पाटलः | – | Rose |
| 4. | हरितः | – | Green | 7. | नीलः | – | Blue |
| 5. | कषायः | – | Orange | 8. | रक्तः | – | Red |



## वृक्षाः – *Trees*

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | आम्रवृक्षः | – | Mango tree | 5. | वटवृक्षः | – | Banyan tree |
| 2. | तालवृक्षः | – | Palm tree | 6. | अश्वत्थवृक्षः | – | Peepal tree |
| 3. | पनसवृक्षः | – | Jack tree | 7. | नारिकेलवृक्षः | – | Coconut tree |
| 4. | कदलीवृक्षः | – | Banana tree | | | | |



## शरीरस्य अङ्गानि – *Parts of the Body*

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | शिरः | – | Head | 8. | हस्तः | – | Hand |
| 2. | नेत्रम् | – | Eye | 9. | अङ्गुली | – | Finger |
| 3. | श्रोत्रम् | – | Ear | 10. | नखः | – | Nail |
| 4. | नासिका | – | Nose | 11. | कण्ठः | – | Neck |
| 5. | मुखम् | – | Mouth | 12. | उदरम् | – | Belly |
| 6. | दन्तः | – | Teeth | 13. | ऊरुः | – | Thigh |
| 7. | जिह्वा | – | Tongue | 14. | पादः | – | Leg |



## पुष्पाणि – *Flowers*

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | कमलम् | – | Lotus | 4. | मल्लिका | – | Jasmine |
| 2. | जपाकुसुमम् | – | Hibiscus | 5. | सूर्यकान्तिः | – | Sunflower |
| 3. | गुलावपुष्पम् | – | Rose | | | | |



## रसाः – *Tastes*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. मधुरः | – | Sweet | 4. अम्लः | – | Sour |
| 2. कषायः | – | Astringent | 5. तिक्तः | – | Bitter |
| 3. कटुः | – | Pungent | 6. लवणः | – | Salty |



## दिशाः – *Directions*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. उत्तरा | – | North | 3. पश्चिमा | – | West |
| 2. पूर्वा | – | East | 4. दक्षिणा | – | South |



## वासराः – *Days*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. रविवासरः | – | Sunday | 5. गुरुवासरः | – | Thursday |
| 2. सोमवासरः | – | Monday | 6. शुक्रवासरः | – | Friday |
| 3. मङ्गलवासरः | – | Tuesday | 7. शनिवासरः | – | Saturday |
| 4. बुधवासरः | – | Wednesday | | | |



## वाहनानि – *Vehicles*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. कार्यानम् | – | Car | 5. त्रिचक्रिका | – | Auto |
| 2. शकटम् | – | Cart | 6. नौका | – | Boat |
| 3. विमानम् | – | Aeroplane | 7. महानौका | – | Ship |
| 4. लोकयानम् | – | Bus | | | |



## गृहम् – *House*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. भित्तिः | – | Wall | 3. इष्टिका | – | Brick |
| 2. छदिः | – | Roof | 4. वातायनम् | – | Window |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 5. | कवाटम् – Door | | 7. | द्वारम् – Entrance | |
| 6. | सोपानम् – Steps | | 8. | उपवनम् – Garden | |



## कुटुम्बः – *Family*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | पिता | – Father | 5. | अग्रजा | – Elder sister |
| 2. | माता | – Mother | 6. | अग्रजः | – Elder brother |
| 3. | अनुजः | – Younger brother | 7. | पितामहः | – (Paternal) Grandfather |
| 4. | अनुजा | – Younger sister | 8. | पितामही | – (Paternal) Grandmother |



## विद्यालयः - *School*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अध्यापकः | – Teacher (M) | 7. | कृष्णफलकम् | – Blackboard |
| 2. | अध्यापिका | – Teacher (F) | 8. | पुस्तकम् | – Book |
| 3. | छात्रः | – Student (M) | 9. | अक्षरम् | – Letter, syllable |
| 4. | छात्रा | – Student (F) | 10. | अङ्कनी | – Pencil |
| 5. | उत्पीटिका | – Table | 11. | लेखनी | – Pen |
| 6. | आसन्दः | – Chair | | | |



## ऋतु – *Season*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | हेमन्तः | – Winter | 4. | ग्रीष्मः | – Summer |
| 2. | शिशिरः | – Cold season | 5. | वर्षा | – Rainy season |
| 3. | वसन्तः | – Spring | 6. | शरत् | – Autumn |



**मासः** – *Month*

1. मार्गशीर्षः
2. पौषः
3. माघः
4. फाल्गुनः
5. चैत्रः
6. वैशाखः
7. ज्येष्ठः
8. आषाढः
9. श्रावणः
10. भाद्रपदः
11. आश्विनः
12. कार्त्तिकः



# 3 अव्ययानि

*Indeclinables*

Words that remain unchanged in all numbers, cases and genders are known as 'indeclinables' (avyaya).

1. अत्र – Here
2. तत्र – There
3. अधः – Down
4. उपरि – Above
5. पूर्वम् – Before
6. अधस्तात् – Below
7. अग्रतः – In front of
8. पुरस्तात् – Before
9. पृष्ठतः – Behind
10. प्रातः – Morning
11. सायम् – Evening
12. दिवा – Day
13. नक्तम् – Night
14. मन्दम् – Slowly
15. शीघ्रम् – Quickly
16. सहसा – Suddenly
17. सत्वरम् – Immediately
18. परम् – After
19. सद्यः – Instantly
20. पुरा – In the olden days
21. उच्चैस्तरम् – Loudly
22. तूर्णम् – Speedily
23. अद्य – Today
24. प्रतिदिनम् – Every day
25. नित्यशः – Daily
26. ह्यः – Yesterday
27. परह्यः – The day before yesterday
28. श्वः – Tomorrow
29. परश्वः – The day after tomorrow
30. तादृशम् – Like that
31. तदानीम् – Then
32. अपि – Also
33. अद्य – Today
34. किन्तु – But
35. परन्तु – But
36. यथा - तथा – As – so
37. यदि - तर्हि – If – so
38. कुत्र – Where

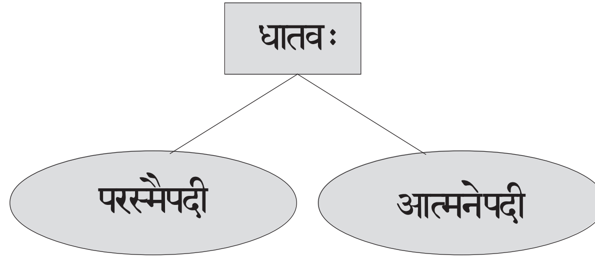
| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 39. कदा | – | When | 58. अतीव | – | Very much |
| 40. इदानीम् | – | Now | 59. प्रायेण | – | Mostly |
| 41. कथम् | – | How | 60. एवम् | – | Thus |
| 42. कति | – | How many | 61. एकदा | – | Once |
| 43. कियत् | – | How much | 62. कदाचित् | – | Once |
| 44. किमिति | – | Why | 63. अलम् | – | Enough |
| 45. किमुत | – | Whether | 64. मा | – | Don't |
| 46. कीदृशम् | – | Of what kind | 65. वा | – | Or |
| 47. विना | – | Without | 66. खलु | – | Certainly |
| 48. इति | – | Thus | 67. अन्तरालम् | – | Between |
| 49. इव | – | Like | 68. नितराम् | – | Entirely |
| 50. इह | – | Here | 69. भृशम् | – | Often |
| 51. पुनः | – | Again | 70. ततः | – | Then |
| 52. सदा | – | Always | 71. ततः प्रभृति | – | Since then |
| 53. सन्ततम् | – | Always | 72. अधुना | – | Now |
| 54. सम्यक् | – | Good, well | 73. मुहूर्तम् | – | Awhile |
| 55. कथञ्चन | – | By any means | 74. सह | – | With |
| 56. समन्ततः | – | All around | 75. कश्चित् | – | Someone |
| 57. अनेकशः | – | Many times, many ways | 76. सर्वतः | – | From every side |



# 4 क्रियापदं लकाराश्च

*Verbs and Tenses*

There are about 2200 verb roots (dhātu) in Sanskrit. These roots are classified into three types – (1) parasmaipada (2) ātmanepada and (3) ubhayapada. Ubhayapada has not been dealt with in this book.




'Parasmai' means 'for other' and 'ātmane' means 'for oneself'. Thus, when actions are done for others' sake, parasmaipadī roots are used. And, when the actions are done for one's own sake, ātmanepadī roots are used. This differentiation is mainly to indicate the intention of the doer. Please note that this rule is not followed presently in Sanskrit.

Parasmaipadī is dealt in detail while ātmanepadī is dealt briefly at the end of the course.

The verbal root is termed 'dhātu'. It is used to form the 'verbal base'. Many examples for verbal root and verb base have been given in the next two pages. You may notice that some verbal roots change completely when they become verbal bases.



| *S.No* | *Verb Roots* | *Verb Base* | *Meaning* |
|---|---|---|---|
| 1. | भू | भव | Be |
| 2. | अट् | अट | Wander |
| 3. | अर्च् | अर्च | Worship |
| 4. | कृष् | कर्ष | Plough |
| 5. | क्रीड् | क्रीड | Play |
| 6. | खाद् | खाद | Eat |
| 7. | गम् | गच्छ | Go |
| 8. | गर्ज् | गर्ज | Roar |
| 9. | गै | गाय | Sing |
| 10. | चर् | चर | Move |
| 11. | चल् | चल | Move |
| 12. | जप् | जप | Chant |
| 13. | जल्प् | जल्प | Blabber |
| 14. | जि | जय | Conquer |
| 15. | जीव् | जीव | Live |
| 16. | ज्वल् | ज्वल | Shine |
| 17. | तप् | तप | Heat |
| 18. | त्यज् | त्यज | Abandon |
| 19. | दश् | दश | Bite |
| 20. | दह् | दह | Burn |
| 21. | दा | यच्छ | Give |
| 22. | दृश् | पश्य | See |
| 23. | नट् | नट | Dance |
| 24. | नम् | नम | Salute |
| 25. | नन्द् | नन्द | Glad |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 26. | निन्द् | निन्द | Criticise |
| 27. | पठ् | पठ | Read |
| 28. | पत् | पत | Fall |
| 29. | पा | पिब | Drink |
| 30. | बुध् | बोध | Know |
| 31. | भ्रम् | भ्रम | Roam |
| 32. | रक्ष् | रक्ष | Protect |
| 33. | वद् | वद | Speak |
| 34. | शुच् | शोच | Grieve |
| 35. | धाव् | धाव | Run |
| 36. | स्था | तिष्ठ | Stand |
| 37. | हस् | हस | Laugh |
| 38. | मुच् | मुञ्च | Liberate |
| 39. | विद् | विन्द | Get |
| 40. | वस् | वस | Live |
| 41. | सिच् | सिञ्च | Sprinkle |
| 42. | विश् | विश | Enter |
| 43. | मिल् | मिल | Meet |
| 44. | कथ् | कथय | Tell |
| 45. | गण् | गणय | Count |
| 46. | चिन्त् | चिन्तय | Think |
| 47. | तड् | ताडय | Beat |
| 48. | दण्ड् | दण्डय | Punish |
| 49. | पूज् | पूजय | Worship |
| 50. | भक्ष् | भक्षय | Eat |



## 4.1. दश-लकाराः – *Ten Lakāras*

Each of the verb root has ten 'lakāras' (daśa-lakārāḥ). Of these ten lakāras, six indicate tenses (kālavācakāḥ) and four indicate moods (prakāra-bodhakāḥ). Besides the ten lakāras, there is one more lakāra which is called लेट्. This is used only in the Vedas, and is termed 'Vedic Subjunctive'.



### 4.1.1 षट्-कालवाचकाः – *Six Tenses*

Out of the six tenses, there is only one type in the present tense, three variations for past tense, and two variations for the future tense.

Let us take the root भू (भव) and see the variations:

| | *Six Tenses* | | | *Example* |
|---|---|---|---|---|
| 1 | लट् | वर्तमानः | Present | भवति |
| 2 | लङ् | अनद्यतनभूतः | Past Tense (Imperfect) | अभवत् |
| 3 | लुङ् | भूतः | Past Tense (Aorist) | अभूत् |
| 4 | लिट् | परोक्षभूतः | Past Tense (Perfect) | बभूव |
| 5 | लुट् | अनद्यतनभविष्यत् | First Future | भविता |
| 6 | लृट् | भविष्यत् | Second Future | भविष्यति |

*To explain further:*

1. In 'vartamāna' (present tense), भव becomes भवति.

*We will now see the three variations of past tense:*

2. In 'anadyatana-bhūta' (past imperfect tense), भव becomes अभवत्. This indicates 'not today' meaning, something that happened the previous day or before that.

3. In 'bhūta' (past tense), भव becomes अभूत्. This indicates the immediate past.

4. In 'parokṣa-bhūta' (past perfect tense), भव becomes बभूव. This indicates the historical past.

*In the same way we have two variations of future tense:*

5. In 'anadyatana-bhaviṣyat' (first future), भव becomes भविता. This indicates 'not today'. It could be the next day or any time in the distant future.

6. In 'bhaviṣyat' (second future), भव becomes भविष्यति. This indicates the general future (could be immediate or distant).



Now let us go through the terminations of the three basic tenses: (1) present (2) future and (3) past. Even though, as mentioned before, there are three variations in the past tense and two variations in the future tense, we will be studying only one from each of the past tense and future tense.

There are nine terminations for each of the lakāras. The different terminations indicate the different person and number (Refer to Chapter 5).

The verb base पठ is taken as an example here (see next page) to illustrate the terminations taken by the verb in the present, future and the past tenses.

| *Present* लट् | | | | *Future* लृट् | | | | *Past* लङ् | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ति | तः | अन्ति | इष्य or स्य | ति | तः | अन्ति | अ | त् | तां | न् |
| सि | थः | थ | | सि | थः | थ | | अ | तं | त |
| आमि | आवः | आमः | | आमि | आवः | आमः | | अम् | आव | आम |

| पठति | पठतः | पठन्ति | पठिष्यति | पठिष्यतः | पठिष्यन्ति | अपठत् | अपठतां | अपठन् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पठसि | पठथः | पठथ | पठिष्यसि | पठिष्यथः | पठिष्यथ | अपठः | अपठतं | अपठत |
| पठामि | पठावः | पठामः | पठिष्यामि | पठिष्यावः | पठिष्यामः | अपठम् | अपठाव | अपठाम |

*Present tense verbal form* : Verb base + Termination
*Future tense verbal form* : Verb base + इष्य/स्य + Termination
*Past tense verbal form* : अ + Verb base + Termination



## 4.1.2 चत्वारः प्रकारबोधका - *Four Moods*

| | *Four Moods* | | | *Example* |
|---|---|---|---|---|
| 1 | लोट् | आज्ञा | *Imperative* | भवतु |
| 2 | विधिलिङ् | विधिः | *Potential* | भवेत् |
| 3 | आशीर्लिङ् | आशीः | *Benedictive* | भूयात् |
| 4 | लृङ् | क्रियातिपत्तिः (सङ्केतः) | *Conditional* | अभविष्यत् |

Out of four moods (catvāraḥ prakārabodhakāḥ), we will only be studying the terminations of two important moods – the imperative and potential moods.

There are nine terminations for each of these moods. Just as in the tenses,

here too, there are different terminations to indicate the different person and number.

The verb base पठ is taken for illustration.

*Imperative*
लोट्

| | | |
|---|---|---|
| तु | ताम् | अन्तु |
| – | तम् | त |
| आनि | आव | आम |

| | | |
|---|---|---|
| पठतु | पठताम् | पठन्तु |
| पठ | पठतम् | पठत |
| पठानि | पठाव | पठाम |

*Potential*
लिङ्

| | | |
|---|---|---|
| ईत् | ईताम् | ईयुः |
| ईः | ईतम् | ईत |
| ईयम् | ईव | ईम |

| | | |
|---|---|---|
| पठेत् | पठेताम् | पठेयुः |
| पठेः | पठेतम् | पठेत |
| पठेयम् | पठेव | पठेम |



# 5 पुरुषः वचनं च
*Person and Number*

In Sanskrit, just as in many other languages like English, there are three persons (puruṣāḥ). They are: (1) प्रथमपुरुषः – Third person, (2) मध्यमपुरुषः – Second person and (3) उत्तमपुरुषः – First person.

Sanskrit permits three numbers: (1) एकवचनम् - Singular, (2) द्विवचनम् – Dual and (3) बहुवचनम् – Plural.

The dual number is unique to Sanskrit.

| | एकवचनम्<br>Singular | द्विवचनम्<br>Dual | बहुवचनम्<br>Plural |
|---|---|---|---|
| प्रथम-पुरुषः<br>III Person | सः – He<br>सा – She<br>तत् – It | तौ – They two<br>ते – They two<br>ते – They two | ते – They all<br>ताः – They all<br>तानि – They all |
| मध्यम-पुरुषः<br>II Person | त्वम् – You | युवाम् – You two | यूयम् – You all |
| उत्तम-पुरुषः<br>I Person | अहम् – I | आवाम् – We two | वयम् – We all |



Please note that the verbal terminations depend on the person, number and tense/mood.

The present tense verbal formations for the various persons and numbers have been indicated below with the example of the verb पठ.

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| प्रथम-पुरुषः | पठति | पठतः | पठन्ति |
| मध्यम-पुरुषः | पठसि | पठथः | पठथ |
| उत्तम-पुरुषः | पठामि | पठावः | पठामः |



# 6 लघुवाक्यानि

*Simple Sentences*

Simple sentences can be formed using person, number and verb terminations.

| | | |
|---|---|---|
| सः<br>सा<br>तत् | तौ<br>ते<br>ते | ते<br>ताः<br>तानि |
| त्वम् | युवाम् | यूयम् |
| अहम् | आवाम् | वयम् |

+

| | | |
|---|---|---|
| पठति | पठतः | पठन्ति |
| पठसि | पठथः | पठथ |
| पठामि | पठावः | पठामः |



### *III Person*

सः / सा / तत् → पठति

तौ / ते / ते → पठतः

ते / ताः / तानि → पठन्ति



सः पठति।
He reads.

सा पठति।
She reads.

तत् पठति।
It reads.

तौ पठतः।
They (two) read.

ते पठतः।
They (two) read.

ते पठतः।
They (two) read.

ते पठन्ति।
They (all) read.

ताः पठन्ति।
They (all) read.

तानि पठन्ति।
They (all) read.



***II Person***

| | | |
|---|---|---|
| त्वं पठसि। | युवां पठथः। | यूयं पठथ। |
| You read. | You (two) read. | You (all) read. |



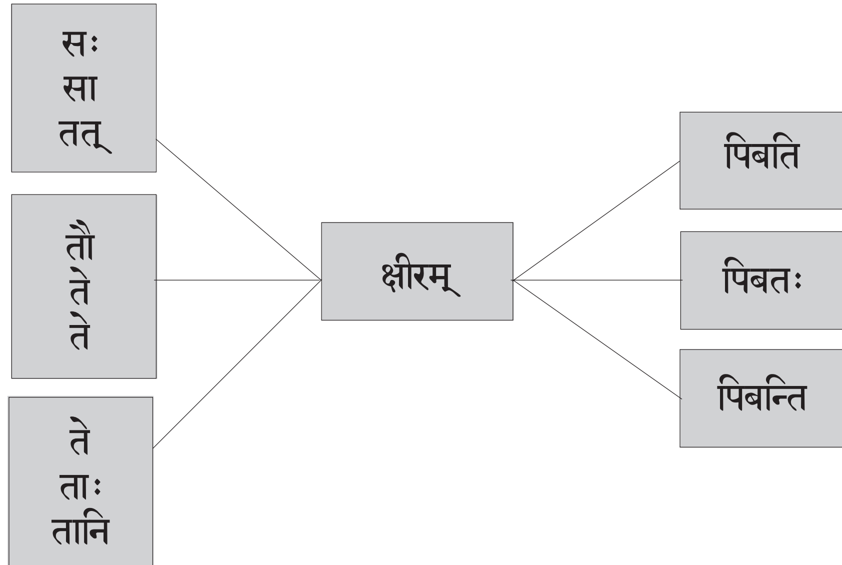
***I Person***

| | | |
|---|---|---|
| अहं पठामि। | आवां पठावः। | वयं पठामः। |
| I read. | We (two) read. | We (all) read. |



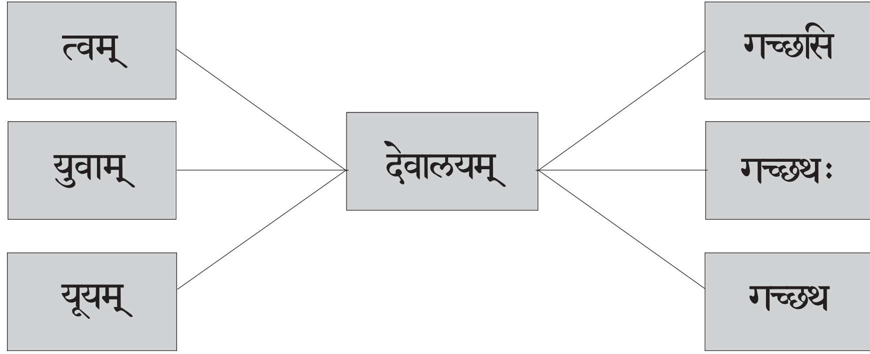
6.1 *Formation o f Simple Sentences*

***III Person***




| | | |
|---|---|---|
| सः क्षीरं पिबति। | तौ क्षीरं पिबतः। | ते क्षीरं पिबन्ति। |
| सा क्षीरं पिबति। | ते क्षीरं पिबतः। | ताः क्षीरं पिबन्ति। |
| तत् क्षीरं पिबति। | ते क्षीरं पिबतः। | तानि क्षीरं पिबन्ति। |

*II Person*



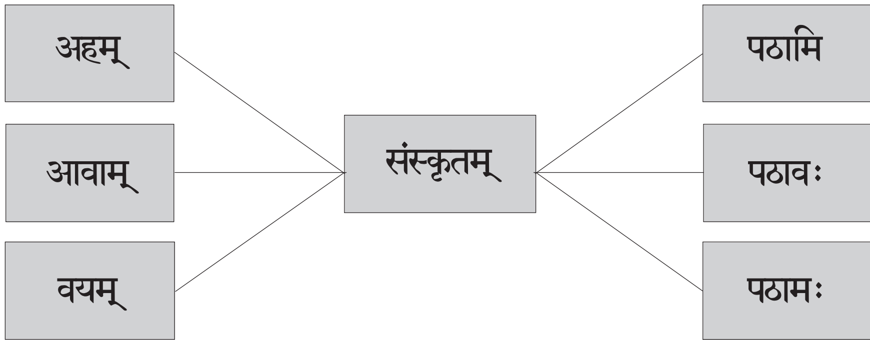

त्वं देवालयं गच्छसि ।

युवां देवालयं गच्छथः ।

यूयं देवालयं गच्छथ ।



*I Person*




अहं संस्कृतं पठामि ।

आवां संस्कृतं पठावः ।

वयं संस्कृतं पठामः ।



## 6.2 *More Simple Sentences*

| | |
|---|---|
| 1. सः कः। | Who is he ? |
| 2. सः शिक्षकः। | He is a tutor. |
| 3. सः अधिकारी। | He is an officer. |
| 4. तौ कौ। | Who are they (two)? |
| 5. तौ अध्यापकौ। | They (two) are teachers. |
| 6. तौ चतुरौ। | They (two) are clever. |
| 7. ते के। | Who are they ? |
| 8. ते युवकाः। | They are youth. |
| 9. ते चित्रकाराः। | They are artists. |
| 10. ते बालकाः। | They are boys. |



| | |
|---|---|
| 11. सा का। | Who is she? |
| 12. सा गीता। | She is Gītā. |
| 13. सा लता। | That is a creeper. |
| 14. ते के। | Who are they (two)? (F) |
| 15. ते बालिके। | They (two) are girls. |
| 16. ते गृहिण्यौ। | They (two) are housewives. |
| 17. ताः काः। | Who are they? (F) |
| 18. ताः सेविकाः। | They are servants. (F) |
| 19. ताः वृद्धाः। | They are old ladies. |

| | |
|---|---|
| 20. ताः नार्यः। | They are ladies. |
| 21. तत् किम् । | What is that? |
| 22. तत् फलम्। | That is a fruit. |
| 23. तत् गृहम्। | That is a house. |
| 24. ते के । | What are they (two)? |
| 25. ते पुष्पे। | Those (two) are flowers. |
| 26. ते काव्ये। | They (two) are epics. |
| 27. तानि कानि। | What are they? |
| 28. तानि आभरणानि। | Those are ornaments. |
| 29. तानि उत्तराणि। | They are answers. |
| 30. तानि काव्यानि। | They are poems. |



| | |
|---|---|
| 31. त्वं कः | Who are you? (M) |
| 32. त्वं छात्रः। | You are a student. (M) |
| 33. त्वं छात्रा। | You are a student. (F) |
| 34. त्वं मित्रम्। | You are a friend. |
| 35. युवां भृत्यौ। | You (two) are servants. |
| 36. युवां कन्ये। | You (two) are maidens. |
| 37. युवां मित्रे। | You (two) are friends. |
| 38. यूयं कनिष्ठाः। | You (all) are young. |
| 39. त्वं छात्रः वा । | Are you a student? (M) |

| | |
|---|---|
| 40. आम् अहं छात्रः। | Yes, I am a student. (M) |
| 41. अहं वैद्यः। | I am a doctor. (M) |
| 42. अहम् अध्यापिका। | I am a teacher. (F) |
| 43. आवां रजकौ। | We (two) are washermen. |
| 44. आवां गृहिण्यौ। | We (two) are housewives. |
| 45. आवां मित्रे। | We (two) are friends. |
| 46. वयम् अध्यापकाः। | We are teachers. (M) |
| 47. वयं धर्माचार्याः। | We are teachers of Dharma. |
| 48. वयं मित्राणि। | We are friends. |



| | |
|---|---|
| 49. अहं सार्धसप्तवादने विद्यालयं गच्छामि। | I go to school at 7.30. |
| 50. अध्यापकः कदा आगच्छति। | When does the teacher come? |
| 51. कदा पाठशालायाः आरम्भः। | When does the school start? |
| 52. सर्वान् पश्यतु। | Look at everybody. |
| 53. त्वं कुत्र गच्छसि? | Where do you go? |
| 54. मनुष्यः कुत्र अस्ति। | Where is the man? |
| 55. फलं कस्मात् पतति। | Where does the fruit fall from? |
| 56. सूर्यः कदा उदेति। | When does the sun rise? |
| 57. मन्दिरं कुत्र अस्ति। | Where is the temple? |
| 58. अर्चकः किमर्थं मन्दिरं गच्छति। | Why does the priest go to the temple? |

| | |
|---|---|
| 59. रामः विद्यालयं गच्छति। | Rāma goes to the school. |
| 60. त्वयि मम स्नेहः अधिकः। | I love you a lot. |
| 61. सः मम गृहम् आगच्छति। | He comes to my house. |
| 62. अहं सर्वदा भवन्तं स्मरामि। | I always remember you. |
| 63. अहं सत्यं वदामि। | I speak the truth. |
| 64. मां तत्र न प्रेषयतु। | Do not send me there. |
| 65. मयि विश्वासं करोतु। | Have faith in me. |
| 66. रामस्य सहोदरः सोमः। | Rāma's brother is Soma. |
| 67. भवान् पाठं पठति। | You read the lesson. (M) |
| 68. भवती तिलकं धरति। | You bear a tilak. (F) |



| | |
|---|---|
| 69. अहं मध्याह्ने भोजनं करोमि। | I eat in the afternoon. |
| 70. सः प्रातः उत्तिष्ठति। | He gets up in the morning. |
| 71. बालकः सायं क्रीडति। | Boy plays in the evening. |
| 72. अहं शोककाले न पठामि। | I don't study when I am sad. |
| 73. सः कार्यालयं गच्छति। | He goes to the office. |
| 74. अहं बालिका अस्मि। | I am a girl. |
| 75. अहं धीरः अस्मि। | I am brave. |
| 76. अहं निपुणा अस्मि। | I am skilled. (F) |
| 77. अहम् अध्यापकः अस्मि। | I am a teacher. |
| 78. परीक्षा परश्वः भविष्यति। | The exam will be the day after tomorrow. |

| | |
|---|---|
| 79. बालकः पुस्तकं पठति। | The boy reads the book. |
| 80. आरक्षकः चोरं ताडयति। | The policeman beats the thief. |
| 81. फलम् अत्र पतति। | The fruit falls here. |
| 82. शिष्यः प्रश्नं पृच्छति। | The disciple asks a question. |
| 83. सा जलं नयति। | She carries water. |
| 84. वैद्यः औषधं यच्छति। | The doctor gives medicine. |
| 85. गायिका गीतं गायति। | The singer sings a song. (F) |
| 86. सीता वनं गच्छति। | Sītā goes to forest. |
| 87. गायकः गीतं गायति। | The singer sings a song. (M) |
| 88. छात्रः उत्तराणि स्मरति। | The student remembers the answers. |



| | |
|---|---|
| 89. बालकः चित्रं पश्यति। | The boy sees the picture. |
| 90. भक्तः देवतां नमति। | The devotee worships the Lord. |
| 91. शिशुः हसति। | The child laughs. |
| 92. सा वस्त्रप्रक्षालनं करोति। | She washes cloth. |
| 93. कृष्णः वसुदेवस्य पुत्रः। | Kṛṣṇa is the son of Vasudeva. |
| 94. देवकी कृष्णस्य जननी। | Devakī is the mother of Kṛṣṇa. |
| 95. रामः भरतस्य अग्रजः। | Rāma is the elder brother of Bharata. |
| 96. रामः अयोध्यायाः नृपः। | Rāma is the king of Ayodhyā. |

| | |
|---|---|
| 97. लक्ष्मणः रामस्य अनुजः। | Lakṣmaṇa is the younger brother of Rāma. |
| 98. गङ्गा हिमालयात् प्रवहति। | Gaṅgā flows from the Himālayas. |



## 6.3 *Sentences from the Upaniṣads and the Bhagavad Gītā*

| | |
|---|---|
| 1. सत्यं वद। | Speak the truth. |
| 2. धर्मं चर। | Walk on the path of Dharma. |
| 3. मातृदेवो भव। | Worship mother as God. |
| 4. पितृदेवो भव। | Worship father as God. |
| 5. आचार्यदेवो भव। | Worship teacher as God. |
| 6. अतिथिदेवो भव। | Worship guest as God. |
| 7. सत्यमेव जयते न अनृतम्। | Truth alone wins, not untruth. |
| 8. तस्मात् उत्तिष्ठ भारत। | Therefore get up, O Bhārata! |
| 9. न अनुशोचन्ति पण्डिताः। | The wise never grieve. |
| 10. तान् तितिक्षस्व भारत। | Endure them, O Bhārata! |



| | |
|---|---|
| 11. न अनुशोचितुम् अर्हसि। | You should not grieve. |
| 12. समत्वं योग उच्यते। | Evenness of mind is called 'yoga'. |
| 13. कर्मणि एव अधिकारः ते। | Your right is to work only. |
| 14. योगः कर्मसु कौशलम्। | Skill in action is 'yoga'. |

15. बुद्धिनाशात् प्रणश्यति । — Man perishes from the destruction of his intellect.

16. कृपणाः फलहेतवः । — Wretched are they whose motive is the 'fruit'.

17. मुक्तसङ्गः समाचर । — Free from all attachments, act!

18. तस्य कार्यं न विद्यते । — He does not have any duty.

19. युध्यस्व विगतज्वरः । — Free from feverish excitement, fight!

20. उत्तिष्ठत जाग्रत । — Arise! Awake!

21. प्रकृतिं यान्ति भूतानि । — Living beings follow their own nature.

22. गहना कर्मणो गतिः । — The nature of karma is imponderable.

23. श्रद्धावान् लभते ज्ञानम् । — The man of faith obtains knowledge.

24. यः पश्यति स पश्यति । — He who sees, sees.

25. पण्डिताः समदर्शिनः । — Sages look at everything impartially.

26. स्वभावस्तु प्रवर्तते । — It is nature that acts.

27. उद्धरेत् आत्मना आत्मानम् । — Lift yourself by yourself.

28. आत्मा एव आत्मनो बन्धुः । — Self alone is the friend of oneself.

| | |
|---|---|
| 29. आत्मा एव रिपुः आत्मनः। | One oneself is the enemy of oneself. |
| 30. मम माया दुरत्यया। | My illusion is difficult to crossover. |
| 31. मामनुस्मर युध्य च। | Remember me and fight. |
| 32. न मे भक्तः प्रणश्यति। | My devotee never perishes. |
| 33. समः अहं सर्वभूतेषु। | I am equal to all. |
| 34. योगक्षेमं वहामि अहम्। | I bestow yoga and kṣema. |
| 35. ददामि बुद्धियोगं तम्। | I give him the 'buddhi-yoga'. |
| 36. माम् एकं शरणं व्रज। | Take refuge in me alone. |
| 37. करिष्ये वचनं तव। | I will act according to your word. |
| 38. तस्मात् शास्त्रं प्रमाणं ते। | Therefore let the scriptures be your authority. |
| 39. स्वधर्मे निधनं श्रेयः। | Death while in one's own duty is meritorious. |
| 40. निमित्तमात्रं भव सव्यसाचिन्। | O left handed archer! Be an instrument. |



# 7 शब्दः विभक्तिश्च

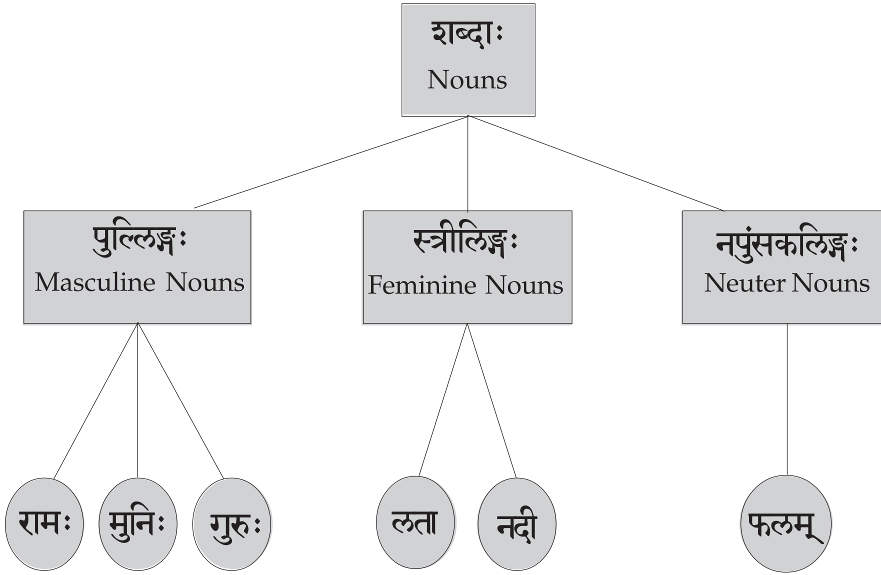
*Nouns and Cases*

We have already studied the following:

(1) Masculine Nouns usually end with अः, इः and उः

(2) Feminine Nouns usually end with आ and ई and

(3) Neuter Nouns usually end with अम् .






## 7.1 *Declension of Nouns*

The term 'declension' means the various forms taken by a noun in the various cases and numbers. We shall be presently studying the declension of the nouns belonging to the three genders.

In Sanskrit, there are seven cases and one vocative.



### 7.1.1 अकारान्तः पुल्लिङ्गः राम-शब्दः

| *Case* | *Singular* | *Dual* | *Plural* |
| --- | --- | --- | --- |
| I (subject) | रामः | रामौ | रामाः |
| II (to, object) | रामम् | रामौ | रामान् |
| III (with, by) | रामेण | रामाभ्याम् | रामैः |
| IV (for) | रामाय | रामाभ्याम् | रामेभ्यः |
| V (from, than) | रामात् | रामाभ्याम् | रामेभ्यः |
| VI (of) | रामस्य | रामयोः | रामाणाम् |
| VII (in, on) | रामे | रामयोः | रामेषु |
| Vocative | हे राम | हे रामौ | हे रामाः |



*Application of cases in* राम-शब्दः

**रामो** राजमणिः सदा विजयते **रामं** रमेशं भजे
**रामेण** अभिहता निशाचरचमूः **रामाय** तस्मै नमः ।
**रामात्** नास्ति परायणं परतरं **रामस्य** दासोऽस्म्यहम्
**रामे** चित्तलयः सदा भवतु मे भो **राम** मामुद्धर ॥

Victory to Rāma, the best of the kings. I worship Rāma, the lord of Sītā. Armies of the demons were killed by Rāma. Salutations to the Rāma. There is no better resort than Rāma. I am a servant of Rāma. May my mind be absorbed in Rāma. Oh! Rāma, protect me.



### अकारान्तः पुल्लिङ्गः कृष्ण-शब्दः

| *Case* | *Singular* | *Dual* | *Plural* |
|---|---|---|---|
| I (subject) | कृष्णः | कृष्णौ | कृष्णाः |
| II (to, object) | कृष्णम् | कृष्णौ | कृष्णान् |
| III (with, by) | कृष्णेन | कृष्णाभ्याम् | कृष्णैः |
| IV (for) | कृष्णाय | कृष्णाभ्याम् | कृष्णेभ्यः |
| V (from, than) | कृष्णात् | कृष्णाभ्याम् | कृष्णेभ्यः |
| VI (of) | कृष्णस्य | कृष्णयोः | कृष्णानाम् |
| VII (in, on) | कृष्णे | कृष्णयोः | कृष्णेषु |
| Vocative | हे कृष्ण | हे कृष्णौ | हे कृष्णाः |



### *Application of cases in* कृष्ण-शब्दः

**कृष्णो** रक्षतु नो जगत्त्रयगुरुः **कृष्णं** नमस्याम्यहम्
**कृष्णेन** अमरशत्रवो विनिहताः **कृष्णाय** तस्मै नमः।
**कृष्णात्** एव समुत्थितं जगदिदं **कृष्णस्य** दासोऽस्म्यहम्
**कृष्णे** तिष्ठति सर्वमेतदखिलं हे **कृष्ण** रक्षस्व माम्॥

May Kṛṣṇa, the teacher of the three worlds protect us. I salute Kṛṣṇa. The demons who are enemies of Gods are killed by Kṛṣṇa. Salutations to that Kṛṣṇa. This world has sprung from Kṛṣṇa alone. I am the servant of Kṛṣṇa. All this entirely stays in Kṛṣṇa. O Kṛṣṇa, save me!

*Decline the following nouns.*

1. देवः – God
2. नरः – Man

3. अजः – Goat
4. गजः – Elephant
5. दण्डः – Stick
6. रथः – Chariot
7. दीपः – Lamp
8. पर्वतः – Hill



## 7.1.2 इकारान्तः पुल्लिङ्गः मुनि-शब्दः (Sage)

| *Case* | *Singular* | *Dual* | *Plural* |
|---|---|---|---|
| I (subject) | मुनिः | मुनी | मुनयः |
| II (to, object) | मुनिम् | मुनी | मुनीन् |
| III (with, by) | मुनिना | मुनिभ्याम् | मुनिभिः |
| IV (for) | मुनये | मुनिभ्याम् | मुनिभ्यः |
| V (from, than) | मुनेः | मुनिभ्याम् | मुनिभ्यः |
| VI (of) | मुनेः | मुन्योः | मुनीनाम् |
| VII (in, on) | मुनौ | मुन्योः | मुनिषु |
| VIII (vocative) | हे मुने | हे मुनी | हे मुनयः |

*Decline the following nouns.*

1. अरिः – Enemy
2. कविः – Poet
3. पतिः – Leader
4. अग्निः – Fire
5. हरिः – Lord Viṣṇu



### 7.1.3 उकारान्तः पुल्लिङ्गः गुरु-शब्दः (Teacher)

| *Case* | *Singular* | *Dual* | *Plural* |
|---|---|---|---|
| I (subject) | गुरुः | गुरू | गुरवः |
| II (to, object) | गुरुम् | गुरू | गुरून् |
| III (with, by) | गुरुणा | गुरुभ्याम् | गुरुभिः |
| IV (for) | गुरवे | गुरुभ्याम् | गुरुभ्यः |
| V (from, than) | गुरोः | गुरुभ्याम् | गुरुभ्यः |
| VI (of) | गुरोः | गुर्वोः | गुरूणाम् |
| VII (in, on) | गुरौ | गुर्वोः | गुरुषु |
| VIII (vocative) | हे गुरो | हे गुरू | हे गुरवः |

*Decline the following nouns.*

1. शम्भुः – Lord Śiva
2. रिपुः – Enemy
3. इन्दुः – Moon
4. तरुः – Tree
5. विधुः – Moon
6. विष्णुः – Lord Viṣṇu
7. मेरुः – Mount Sumeru
8. ऋतुः – Season
9. बन्धुः – Relative
10. प्रभुः – Lord or master



## 7.1.4 आकारान्तः स्त्रीलिङ्गः लता-शब्दः (Creeper)

| Case | Singular | Dual | Plural |
|---|---|---|---|
| I (subject) | लता | लते | लताः |
| II (to, object) | लताम् | लते | लताः |
| III (with, by) | लतया | लताभ्याम् | लताभिः |
| IV (for) | लतायै | लताभ्याम् | लताभ्यः |
| V (from, than) | लतायाः | लताभ्याम् | लताभ्यः |
| VI (of) | लतायाः | लतयोः | लतानाम् |
| VII (in, on) | लतायाम् | लतयोः | लतासु |
| VIII (vocative) | हे लते | हे लते | हे लताः |

*Decline the following nouns.*

1. चिन्ता – Worry, thought
2. छाया – Shade
3. माला – Garland
4. विद्या – Education, knowledge, learning
5. पेटिका – Box
6. सुधा – Nectar
7. रसना – Tongue
8. पिपीलिका – Ant
9. नौका – Boat
10. नासिका – Nose



### 7.1.5 ईकारान्तः स्त्रीलिङ्गः नदी-शब्दः (River)

| *Case* | *Singular* | *Dual* | *Plural* |
|---|---|---|---|
| I (subject) | नदी | नद्यौ | नद्यः |
| II (to, object) | नदीम् | नद्यौ | नदीः |
| III (with, by) | नद्या | नदीभ्याम् | नदीभिः |
| IV (for) | नद्यै | नदीभ्याम् | नदीभ्यः |
| V (from, than) | नद्याः | नदीभ्याम् | नदीभ्यः |
| VI (of) | नद्याः | नद्योः | नदीनाम् |
| VII (in, on) | नद्याम् | नद्योः | नदीषु |
| VIII (vocative) | हे नदि | हे नद्यौ | हे नद्यः |

*Decline the following nouns.*

1. देवी – Goddess
2. मही – Earth
3. गौरी – Parvatī
4. नारी – Woman
5. लेखनी – Pen
6. जननी – Mother
7. मन्दाकिनी – Hevenly Gangas
8. ह्रादिनी – Thunder-bolt
9. पार्वती – Consort of Lord Śiva
10. लक्ष्मी – Consort of Lord Viṣṇu



### 7.1.6 अकारान्तः नपुंसकलिङ्गः फल-शब्दः (Fruit)

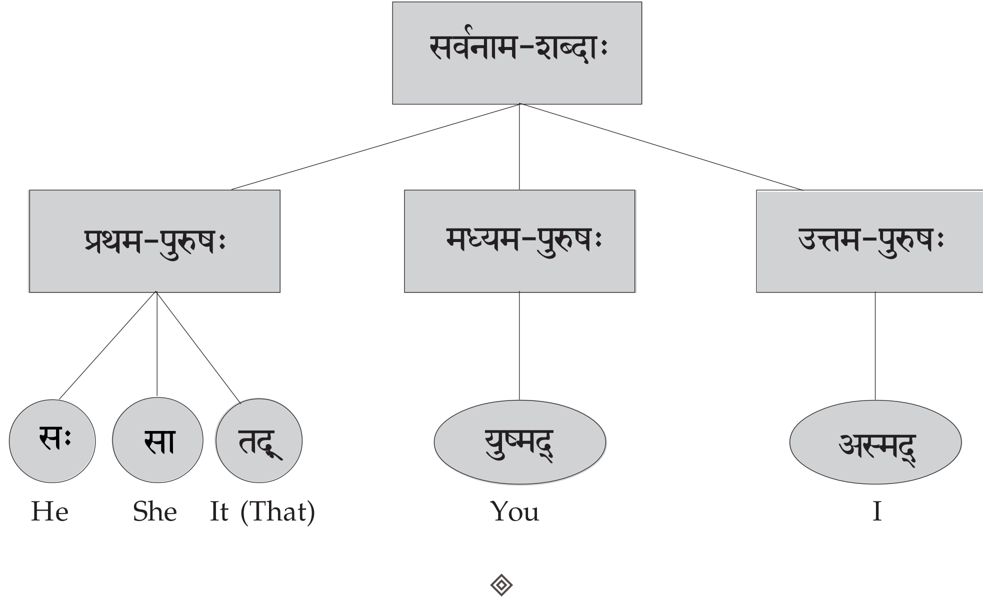
| *Case* | *Singular* | *Dual* | *Plural* |
|---|---|---|---|
| I (subject) | फलम् | फले | फलानि |
| II (to, object) | फलम् | फले | फलानि |
| III (with, by) | फलेन | फलाभ्याम् | फलैः |
| IV (for) | फलाय | फलाभ्याम् | फलेभ्यः |
| V (from, than) | फलात् | फलाभ्याम् | फलेभ्यः |
| VI (of) | फलस्य | फलयोः | फलानाम् |
| VII (in, on) | फले | फलयोः | फलेषु |
| VIII (vocative) | हे फल | हे फले | हे फलानि |

*Decline the following nouns.*

1. अन्नम् – Food
2. काव्यम् – Poetry
3. धनम् – Wealth
4. पुष्पम् – Flower
5. ज्ञानम् – Knowledge
6. क्षेत्रम् – Field
7. लोचनम् – Eye
8. लवणम् – Salt
9. क्षीरम् – Milk
10. भवनम् – House



## *7.2 Declension of Pronouns – sarvanāma-śabdaḥ*




◈

### 7.2.1 दकारान्तः पुल्लिङ्गः तद्-शब्दः (He)

| *Case* | *Singular* | *Dual* | *Plural* |
|---|---|---|---|
| I (subject) | सः | तौ | ते |
| II (to, object) | तम् | तौ | तान् |
| III (with, by) | तेन | ताभ्याम् | तैः |
| IV (for) | तस्मै | ताभ्याम् | तेभ्यः |
| V (from, than) | तस्मात् | ताभ्याम् | तेभ्यः |
| VI (of) | तस्य | तयोः | तेषाम् |
| VII (in, on) | तस्मिन् | तयोः | तेषु |

◈

### 7.2.2 दकारान्तः स्त्रीलिङ्गः तद्-शब्दः (She)

| *Case* | *Singular* | *Dual* | *Plural* |
|---|---|---|---|
| I (subject) | सा | ते | ताः |
| II (to, object) | ताम् | ते | ताः |
| III (with, by) | तया | ताभ्याम् | ताभिः |
| IV (for) | तस्यै | ताभ्याम् | ताभ्यः |
| V (from, than) | तस्याः | ताभ्याम् | ताभ्यः |
| VI (of) | तस्याः | तयोः | तासाम् |
| VII (in, on) | तस्याम् | तयोः | तासु |



### 7.2.3 दकारान्तः नपुंसकलिङ्गः तद्-शब्दः (That)

| *Case* | *Singular* | *Dual* | *Plural* |
|---|---|---|---|
| I (subject) | तत् | ते | तानि |
| II (to, object) | तत् | ते | तानि |
| III (with, by) | तेन | ताभ्याम् | तैः |
| IV (for) | तस्मै | ताभ्याम् | तेभ्यः |
| V (from, than) | तस्मात् | ताभ्याम् | तेभ्यः |
| VI (of) | तस्य | तयोः | तेषाम् |
| VII (in, on) | तस्मिन् | तयोः | तेषु |



### 7.2.4 दकारान्तः युष्मद्-शब्दः (You)

*(Same in all the three genders)*

| *Case* | *Singular* | *Dual* | *Plural* |
|---|---|---|---|
| I (subject) | त्वम् | युवाम् | यूयम् |
| II (to, object) | त्वाम्-त्वा | युवाम्-वाम् | युष्मान्-वः |
| III (with, by) | त्वया | युवाभ्याम् | युष्माभिः |
| IV( for) | तुभ्यम्-ते | युवाभ्याम्-वाम् | युष्मभ्यम्-वः |
| V (from, than) | त्वत् | युवाभ्याम् | युष्मत् |
| VI (of ) | तव-ते | युवयोः-वाम् | युष्माकम्-वः |
| VII (in, on) | त्वयि | युवयोः | युष्मासु |

### 7.2.5 दकारान्तः अस्मद्-शब्दः ( I )

*(Same in all the three genders)*

| *Case* | *Singular* | *Dual* | *Plural* |
|---|---|---|---|
| I (subject) | अहम् | आवाम् | वयम् |
| II (to, object) | माम्-मा | आवाम्-नौ | अस्मान्-नः |
| III (with, by) | मया | आवाभ्याम् | अस्माभिः |
| IV (for) | मह्यम्-मे | आवाभ्याम्-नौ | अस्मभ्यम्-नः |
| V (from, than) | मत् | आवाभ्याम् | अस्मत् |
| VI (of) | मम-मे | आवयोः-नौ | अस्माकम्-नः |
| VII (in, on) | मयि | आवयोः | अस्मासु |

*Note:* There is no vocative form for pronouns.



# 8 उपसर्गाः

*Prefixes*

Upasargas or prefixes are added to the verb roots, to modify, intensify and sometimes to alter the original sense of the roots. Sometimes they are prefixed without any alteration to the root sense. There are twenty two upasargas in all.

1. प्र – More, higher
2. परा – Opposite, against
3. अप – Away, separation
4. सम् – Coincide, congruently
5. अनु – Favourable, after, according to
6. अव – Downwards
7. निस् – Low
8. निर् – Low
9. दुस् – Wicked
10. दुर् – Bad
11. वि – More, opposite, divergent
12. आ – On this side
13. नि – To vacate, to empty
14. अधि – In, on, above, over
15. अपि – Moreover
16. अति – Very much
17. सु – Best
18. उत् – On, above, over
19. अभि – In front of
20. प्रति – Contrary to
21. परि – Everywhere
22. उप – Near, more

*The application of upasarga to verbal roots:*

**अति**, the upasarga, combines with the verbal root **क्रम्** to become **अतिक्रामति**.

**अति** + **क्रम्** = **अतिक्रामति** – goes beyond.



The following is a sample list of verbal formations when the upasarga joins with the verbal root.

| | उपसर्गाः | धातवः | Verbal Form | Meaning |
|---|---|---|---|---|
| 1. | अधि | गम् | अधिगच्छति | To get |
| 2. | अनु | कृ | अनुकरोति | Imitates |
| 3. | अप | नी | अपनयति | Takes away |
| 4. | अपि | धा | अपिद्धाति | Covers |
| 5. | अभि | गम् | अभिगच्छति | Goes after |
| 6. | अव | मन् | अवमन्यते | Disrespects |
| 7. | आ | गम् | आगच्छति | Comes |
| 8. | उत् | गम् | उद्गच्छति | Goes up |
| 9. | उप | कृ | उपकरोति | Obliges |
| 10. | दुस् /दुर् | चर् | दुराचरति | Acts badly |
| 11. | निर् | दिश् | निर्दिशति | Commands |
| 12. | निस् /निर् | गम् | निर्गच्छति | Goes out |
| 13. | परा | जि | पराजयते | Defeats |
| 14. | परि | धा | परिद्धाति | Places all round |
| 15. | प्र | हृ | प्रहरति | Strikes |
| 16. | प्रति | कृ | प्रतिकरोति | Acts in opposite |
| 17. | वि | क्री | विक्रीणाति | Sells |
| 18. | सम् | हृ | संहरति | Destroys |
| 19. | सु | कृ | सुकरोति | Does well |

Note how the meaning of the root हृ (to take away) changes when it combines with various upasargas:

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| प्र | + | हृ | = | प्रहरति | – | beats |
| सं | + | हृ | = | संहरति | – | kills |
| आ | + | हृ | = | आहरति | – | brings |
| वि | + | हृ | = | विहरति | – | plays |
| परि | + | हृ | = | परिहरति | – | removes |



Following are the changes effected in the meaning by different upasargas coming together with the derivatives of root भू (to be):

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| प्र | + | भू | = | प्रभूतम् | – | abundant |
| | | | = | प्रभवः | – | birth |
| | | | = | प्रभावः | – | prowess |
| | | | = | प्रभुः | – | lord, husband |
| परा | + | भू | = | पराभवः | – | defeat |
| अप | + | भू | = | अपभूतिः | – | ruin |
| सम् | + | भू | = | सम्भवति | – | creation |
| अनु | + | भू | = | अनुभवः | – | experience |
| वि | + | भू | = | विभवः | – | wealth |
| अति | + | भू | = | अतिभवनम् | – | being the greatest of all |
| उद् | + | भू | = | उद्भवम् | – | birth |
| परि | + | भू | = | परिभवम् | – | insult |



Two or more upasargas may also be combined and prefixed to one verbal root:

अभि + नि + विश् = अभिनिविशते – to enter into with resolution

सम् + उप + आ + गम् = समुपागच्छति – to come into close contact



The following sentences are given as examples to illustrate how the upasargas are used in constructing sentences:

1. बालिका परमेश्वरम् अभ्यर्चति। Girl worships the Lord.
2. बालकः विद्यालयात् आगच्छति। Boy comes from the school.
3. सा जलम् अपनयति। She takes away water.
4. सः भवनं प्रविशति। He enters the house.

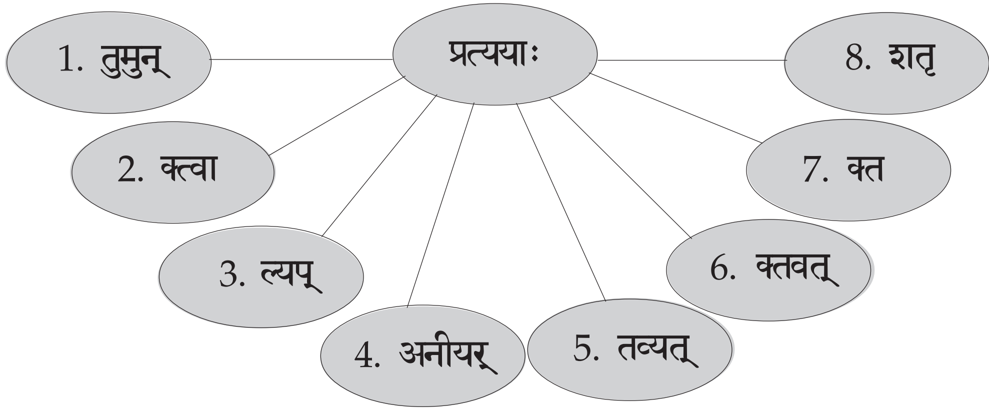


# 9 प्रत्ययाः

## *Suffixes*

Pratyaya or suffix is added at the end of verbal root to transform the verbal root into indeclinable, imperfect verb, definite verb, past tense of verb, present continuous tense of verb and so on.

The following are some important suffixes:






### 9.1 तुमुन्-प्रत्ययः

The suffix तुम् is added to the verbs to indicate the purpose of action.

*Example:* रामः पठितुं विद्यालयं गच्छति। Rāma goes to school *in order to study*.

Once the तुमुन्-प्रत्यय is added to the verbal derivative, it becomes an indeclinable, which means that the word will be the same in all genders, cases and numbers.

*Here are a few examples:*

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. पठितुम् | – | To read | |
| 2. रक्षितुम् | – | To protect | |
| 3. याचितुम् | – | To beg | |
| 4. गृहीतुम् | – | To hold | |
| 5. लेखितुम् | – | To write | |
| 6. वसितुम् | – | To live | |
| 7. धावितुम् | – | To run | |
| 8. विमोचितुम् | – | To release | |
| 9. भवितुम् | – | To become | |
| 10. बोधितुम् | – | To teach | |
| 11. जीवितुम् | – | To live | |
| 12. जल्पितुम् | – | To blabber | |
| 13. चिन्तयितुम् | – | To think | |
| 14. खादितुम् | – | To eat | |
| 15. निन्दितुम् | – | To criticise | |
| 16. दण्डयितुम् | – | To punish | |
| 17. वक्तुम् | – | To speak | |
| 18. आगन्तुम् | – | To come | |
| 19. गन्तुम् | – | To go | |
| 20. पातुम् | – | To drink | |
| 21. श्रोतुम् | – | To hear | |
| 22. हर्तुम् | – | To snatch | |
| 23. तर्तुम् | – | To cross | |
| 24. कर्तुम् | – | To do | |
| 25. हन्तुम् | – | To kill | |
| 26. लब्धुम् | – | To get | |
| 27. क्रीडितुम् | – | To play | |
| 28. पतितुम् | – | To fall | |
| 29. स्थातुम् | – | To stand | |
| 30. मर्तुम् | – | To die | |
| 31. पालयितुम् | – | To nurture | |
| 32. अर्चितुम् | – | To worship | |



9.2 क्त्वा-प्रत्ययः

The suffix त्वा is added only to roots that are not prefixed by upasarga. It denotes the sense of adverbial past participle (prefix). After having completed

an action, if the subject does another action, then, the क्त्वा suffix is added to the completed action.

*Example*: रामः पठित्वा क्रीडितुं गच्छति । *Having read*, Rāma goes to play.

The verbal forms formed with क्त्वा suffix are also indeclinables.

*Here are a few examples:*

1. पठित्वा – Having read
2. लिखित्वा – Having written
3. धावित्वा – Having run
4. उदित्वा – Having risen
5. उषित्वा – Having lived
6. हसित्वा – Having laughed
7. रक्षित्वा – Having protected
8. गृहीत्वा – Having held
9. भक्षयित्वा – Having eaten
10. गणयित्वा – Having counted
11. चोरयित्वा – Having stolen
12. रचयित्वा – Having composed
13. याचयित्वा – Having begged
14. ताडयित्वा – Having beaten
15. कथयित्वा – Having told
16. चिन्तयित्वा – Having thought
17. मिलित्वा – Having met
18. भूत्वा – Having been
19. हत्वा – Having killed
20. गत्वा – Having gone
21. पीत्वा – Having drunk
22. नत्वा – Having prostrated
23. स्मृत्वा – Having remembered
24. जित्वा – Having conquered
25. दृष्ट्वा – Having looked
26. श्रुत्वा – Having heard
27. कृत्वा – Having done
28. त्यक्त्वा – Having given up
29. मत्वा – Having considered
30. अटित्वा – Having Wandered

### 9.3 ल्यप्-प्रत्ययः

ल्यप्-प्रत्यय has the same function as क्त्वा-प्रत्यय, but the only difference is that, in ल्यप्-प्रत्यय (य) is suffixed when the verbal form has an upasarga prefixed to it. *Example*: When the ल्यप् is added to ज्ञा, which has the वि upasarga, it becomes विज्ञाय.

वि + ज्ञा + ल्यप् = विज्ञाय – *Having known*

Without upasarga, ज्ञा becomes ज्ञात्वा.

*Here are a few more examples:*

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | आ | + | ह्वे | = | आहूय | – | Having called |
| 2. | नि | + | बन्ध् | = | निबध्य | – | Having bound |
| 3. | आ | + | दा | = | आदाय | – | Having brought |
| 4. | प्र | + | इ | = | प्रेत्य | – | Having reached |
| 5. | आ | + | पॄ | = | आपूर्य | – | Having filled up |
| 6. | प्र | + | विश् | = | प्रविश्य | – | Having entered |
| 7. | वि | + | ली | = | विलीय | – | Having dissolved |
| 8. | सम् | + | स्मृ | = | संस्मृत्य | – | Having thought well |
| 9. | अधि | + | इ | = | अधीत्य | – | Having got |
| 10. | आ | + | पृच्छ् | = | आपृच्छ्य | – | Having asked |
| 11. | नि | + | मज्ज् | = | निमज्ज्य | – | Having sunk |
| 12. | उद् | + | स्था | = | उत्थाय | – | Having got up |
| 13. | निस् | + | चि | = | निश्चित्य | – | Having decided |
| 14. | सम् | + | कृ | = | संस्कृत्य | – | Having purified |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 15. | प्र | + | वच् | = | प्रोच्य | – | Having told |
| 16. | आ | + | रुह् | = | आरुह्य | – | Having climbed |
| 17. | आ | + | मन्त्र् | = | आमन्त्र्य | – | Having discussed |
| 18. | प्र | + | नम् | = | प्रणम्य | – | Having prostrated |
| 19. | आ | + | गम् | = | आगत्य/आगम्य | – | Having come |
| 20. | प्र | + | बोध् | = | प्रबोध्य | – | Having educated |



## 9.4 अनीयर्-प्रत्ययः

When the अनीयर्-प्रत्यय is added to the verbal root, the potential passive participle is formed. It conveys a sense of 'necessity' or 'command'.

*Example:* श्रीमन्नारायणः स्मरणीयः। Lord Nārāyaṇa is *to be remembered*.

The derivatives formed using this suffix agrees with the noun in gender, number and case.

*Example:*

| | | |
|---|---|---|
| Masculine Gender | – | पठनीयः |
| Feminine Gender | – | पठनीया |
| Neuter Gender | – | पठनीयम् |

*Here are a few more examples:*

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | करणीयम् | – | To be done |
| 2. | पठनीयम् | – | To be read |
| 3. | गमनीयम् | – | Have to go |
| 4. | वहनीयम् | – | To be carried |
| 5. | हननीयम् | – | To be killed |
| 6. | हसनीयम् | – | Have to laugh |
| 7. | वदनीयम् | – | To be spoken |
| 8. | वचनीयम् | – | To be spoken |
| 9. | दानीयम् | – | To be given |
| 10. | दर्शनीयम् | – | To be seen |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 11. श्रवणीयम् | – | To be heard | 16. खादनीयम् | – | to be eaten |
| 12. भेदनीयम् | – | To be split | 17. जयनीयम् | – | to be conquered |
| 13. निन्दनीयम् | – | To be condemned | 18. योजनीयम् | – | to be linked |
| 14. त्यजनीयम् | – | To be given up | 19. नयनीयम् | – | to be carried |
| 15. भोजनीयम् | – | To be consumed | 20. स्मरणीयम् | – | to be remembered |



### 9.5 तव्यत्-प्रत्ययः

The usage of तव्यत्-प्रत्यय is similar to अनीयर्-प्रत्यय. The only speciality is that the aspects of 'necessity' and 'command' are stressed more in the तव्यत्-प्रत्यय than अनीयर्-प्रत्यय.

*Example*: कर्तव्यं दैवमाह्निकम् । The religious rites *ought to be done.*

The derivatives formed using this suffix agrees with the noun in gender, number and case.

*Example:*

| | | |
|---|---|---|
| Masculine Gender | – | पठितव्यः |
| Feminine Gender | – | पठितव्या |
| Neuter Gender | – | पठितव्यम् |

*Here are a few examples:*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. पठितव्यम् | – | Must be read | 6. कर्तव्यम् | – | Must be done |
| 2. भाषितव्यम् | – | Must be spoken | 7. त्यक्तव्यम् | – | Must be given up |
| 3. भोक्तव्यम् | – | Must be enjoyed | 8. दातव्यम् | – | Must be given |
| 4. खनितव्यम् | – | Must be dug | 9. श्रोतव्यम् | – | Must be heard |
| 5. बोधितव्यम् | – | Must be educated | 10. मार्जितव्यम् | – | Must be purified |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 11. सहितव्यम् | – | Must be borne | 19. हन्तव्यम् | – | Must be killed |
| 12. लेखितव्यम् | – | Must be written | 20. स्नातव्यम् | – | Must be bathed |
| 13. तरितव्यम् | – | Must be crossed over | 21. ज्ञातव्यम् | – | Must be known |
| 14. क्रीडितव्यम् | – | Must be played | 22. द्रष्टव्यम् | – | Must be seen |
| 15. कथयितव्यम् | – | Must be told | 23. नेतव्यम् | – | Must be carried |
| 16. रक्षितव्यम् | – | Must be protected | 24. पातव्यम् | – | Must be drunk |
| 17. जेतव्यम् | – | Must be conquered | 25. गन्तव्यम् | – | Must be gone |
| 18. स्थातव्यम् | – | Must be positioned | 26. वक्तव्यम् | – | Must be spoken |



## 9.6 क्तवत्-प्रत्ययः

The past active participle is formed by adding the suffix क्तवत् to the verbal root and has the same meaning as that of the verbal past tense.

*Example:* रामः विद्यालयं गतवान् (अगच्छत्) । Rāma *went* to school.

Thus गतवान् and अगच्छत् mean one and the same.

The derivates formed using this suffix agree with the noun in gender, number and case.

*Example:*

Masculine Gender – पठितवान्

Feminine Gender – पठितवती

Neuter Gender – पठितवत्

*Here are a few examples:*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. गतवान् | – | Went | 4. पृष्ठवान् | – | Asked |
| 2. कृतवान् | – | Did | 5. धावितवान् | – | Ran |
| 3. स्थितवान् | – | Stood | 6. पठितवान् | – | Read |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 7. | नमस्कृतवान् – Prostrated | | 17. | श्रुतवान् – Heard | |
| 8. | गृहीतवान् – Held | | 18. | पीतवान् – Drank | |
| 9. | उक्तवान् – Told | | 19. | जितवान् – Conquered | |
| 10. | दृष्टवान् – Looked | | 20. | लिखितवान् – Wrote | |
| 11. | खादितवान् – Ate | | 21. | आहूतवान् – Called | |
| 12. | अटितवान् – Roamed | | 22. | नीतवान् – Carried | |
| 13. | स्थापितवान् – Established | | 23. | आनीतवान् – Brought | |
| 14. | त्यक्तवान् – Gave up | | 24. | चिन्तितवान् – Thought | |
| 15. | प्रेषितवान् – Sent | | 25. | आचरितवान् – Did | |
| 16. | क्षिप्तवान् – Threw | | 26. | ज्ञातवान् – Knew | |



## 9.7 क्त-प्रत्ययः

The past passive participle is formed by adding क्त-प्रत्यय to the transitive verbal roots.

*Example*: रावणः हतः । Rāvaṇa *has been killed*.

The verbal derivative formed using this suffix agrees with the noun in gender, number and case.

*Example:*

Masculine Gender – कृतः

Feminine Gender – कृता

Neuter Gender – कृतम्

*Here are a few examples:*

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. कृतः | – Has been done | 3. गतः | – Has been gone |
| 2. श्रुतः | – Has been heard | 4. दृष्टः | – Has been looked |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 5. पीतः | – Has been drunk | | 10. जितः | – Has been conquered | |
| 6. नीतः | – Has been carried | | 11. लिखितः | – Has been written | |
| 7. पठितः | – Has been read | | 12. कथितः | – Has been told | |
| 8. ताडितः | – Has been beaten | | 13. त्यक्तः | – Has been given up | |
| 9. हतः | – Has been killed | | 14. ज्ञातः | – Has been known | |



### 9.8 शतृ-प्रत्ययः

The present participle is formed by adding **शतृ-प्रत्यय** to the verbal root. This has the sense of present continuous tense.

*Example*: **रामः गायन् गच्छति ।** Rāma goes *singing*.

The verbal derivative formed using this suffix agrees with the noun in gender, number and case.

*Example:*

| | | |
|---|---|---|
| Masculine Gender | – | कुर्वन् |
| Feminine Gender | – | कुर्वन्ती |
| Neuter Gender | – | कुर्वत् |

*Here are a few examples:*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. कुर्वन् | – | Doing | 5. शृण्वन् | – | Hearing |
| 2. गच्छन् | – | Going | 6. त्यजन् | – | Giving up |
| 3. आगच्छन् | – | Coming | 7. धावन् | – | Running |
| 4. पठन् | – | Reading | 8. पालयन् | – | Protecting |



# 10 सङ्ख्याः
*Numerals*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | एकम् | १ | 12 | द्वादश | १२ |
| 2 | द्वे | २ | 13 | त्रयोदश | १३ |
| 3 | त्रीणि | ३ | 14 | चतुर्दश | १४ |
| 4 | चत्वारि | ४ | 15 | पञ्चदश | १५ |
| 5 | पञ्च | ५ | 16 | षोडश | १६ |
| 6 | षट् | ६ | 17 | सप्तदश | १७ |
| 7 | सप्त | ७ | 18 | अष्टादश | १८ |
| 8 | अष्ट | ८ | 19 | नवदश/ एकोनविंशति | १९ |
| 9 | नव | ९ | 20 | विंशतिः | २० |
| 10 | दश | १० | | | |
| 11 | एकादश | ११ | | | |

Note that the number nineteen has two appellations **नवदश** and **एकोनविंशतिः** **ऊन** means less. **एक - ऊन - विंशतिः** means, 1 less than 20. This applies for 29, 39, 49 and so on.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 21 | एकविंशतिः | २१ | 28 | अष्टाविंशतिः | २८ |
| 22 | द्वाविंशतिः | २२ | 29 | नवविंशतिः/ एकोनत्रिंशत् | २९ |
| 23 | त्रयोविंशतिः | २३ | 30 | त्रिंशत् | ३० |
| 24 | चतुर्विंशतिः | २४ | 31 | एकत्रिंशत् | ३१ |
| 25 | पञ्चविंशतिः | २५ | 32 | द्वात्रिंशत् | ३२ |
| 26 | षड्विंशतिः | २६ | 33 | त्रयस्त्रिंशत् | ३३ |
| 27 | सप्तविंशतिः | २७ | | | |

| | | |
|---|---|---|
| 34 | चतुस्त्रिंशत् | ३४ |
| 35 | पञ्चत्रिंशत् | ३५ |
| 36 | षट्त्रिंशत् | ३६ |
| 37 | सप्तत्रिंशत् | ३७ |
| 38 | अष्टात्रिंशत् | ३८ |
| 39 | नवत्रिंशत्/<br>एकोनचत्वारिंशत् | ३९ |
| 40 | चत्वारिंशत् | ४० |
| 41 | एकचत्वारिंशत् | ४१ |
| 42 | द्विचत्वारिंशत् | ४२ |
| 43 | त्रिचत्वारिंशत् | ४३ |
| 44 | चतुश्चत्वारिंशत् | ४४ |
| 45 | पञ्चचत्वारिंशत् | ४५ |
| 46 | षट्चत्वारिंशत् | ४६ |
| 47 | सप्तचत्वारिंशत् | ४७ |
| 48 | अष्टचत्वारिंशत् | ४८ |
| 49 | नवचत्वारिंशत्/<br>एकोनपञ्चाशत् | ४९ |
| 50 | पञ्चाशत् | ५० |
| 51 | एकपञ्चाशत् | ५१ |
| 52 | द्विपञ्चाशत् | ५२ |
| 53 | त्रिपञ्चाशत् | ५३ |
| 54 | चतुःपञ्चाशत् | ५४ |
| 55 | पञ्चपञ्चाशत् | ५५ |
| 56 | षट्पञ्चाशत् | ५६ |
| 57 | सप्तपञ्चाशत् | ५७ |
| 58 | अष्टपञ्चाशत् | ५८ |
| 59 | नवपञ्चाशत्/<br>एकोनषष्टिः | ५९ |
| 60 | षष्टिः | ६० |
| 61 | एकषष्टिः | ६१ |
| 62 | द्विषष्टिः | ६२ |
| 63 | त्रिषष्टिः | ६३ |
| 64 | चतुःष्टिः | ६४ |
| 65 | पञ्चषष्टिः | ६५ |
| 66 | षट्षष्टिः | ६६ |
| 67 | सप्तषष्टिः | ६७ |
| 68 | अष्टषष्टिः | ६८ |
| 69 | नवषष्टिः/<br>एकोनसप्ततिः | ६९ |
| 70 | सप्ततिः | ७० |
| 71 | एकसप्ततिः | ७१ |
| 72 | द्विसप्ततिः | ७२ |
| 73 | त्रिसप्ततिः | ७३ |
| 74 | चतुःसप्ततिः | ७४ |
| 75 | पञ्चसप्ततिः | ७५ |

| | | |
|---|---|---|
| 76 | षट्सप्ततिः | ७६ |
| 77 | सप्तसप्ततिः | ७७ |
| 78 | अष्टसप्ततिः | ७८ |
| 79 | नवसप्ततिः/ एकोनाशीतिः | ७९ |
| 80 | अशीतिः | ८० |
| 81 | एकाशीतिः | ८१ |
| 82 | द्व्यशीतिः | ८२ |
| 83 | त्र्यशीतिः | ८३ |
| 84 | चतुरशीतिः | ८४ |
| 85 | पञ्चाशीतिः | ८५ |
| 86 | षडशीतिः | ८६ |
| 87 | सप्ताशीतिः | ८७ |
| 88 | अष्टाशीतिः | ८८ |
| 89 | नवाशीतिः/ एकोननवतिः | ८९ |
| 90 | नवतिः | ९० |
| 91 | एकनवतिः | ९१ |
| 92 | द्विनवतिः | ९२ |
| 93 | त्रिनवतिः | ९३ |
| 94 | चतुर्नवतिः | ९४ |

| | | |
|---|---|---|
| 95 | पञ्चनवतिः | ९५ |
| 96 | षण्णवतिः | ९६ |
| 97 | सप्तनवतिः | ९७ |
| 98 | अष्टनवतिः | ९८ |
| 99 | नवनवतिः/ एकोनशतम् | ९९ |
| 100 | शतम् | १०० |
| 200 | द्विशतम् | २०० |
| 300 | त्रिशतम् | ३०० |
| 400 | चतुःशतम् | ४०० |
| 500 | पञ्चशतम् | ५०० |
| 600 | षट्शतम् | ६०० |
| 700 | सप्तशतम् | ७०० |
| 800 | अष्टशतम् | ८०० |
| 900 | नवशतम् | ९०० |
| 1,000 | सहस्रम् | १००० |
| 10,000 | अयुतम् | १०००० |
| 1,00,000 | लक्षम् | १००००० |
| 10,00,000 | नियुतम् | १०००००० |
| 1,00,00,000 | कोटिः | १००००००० |

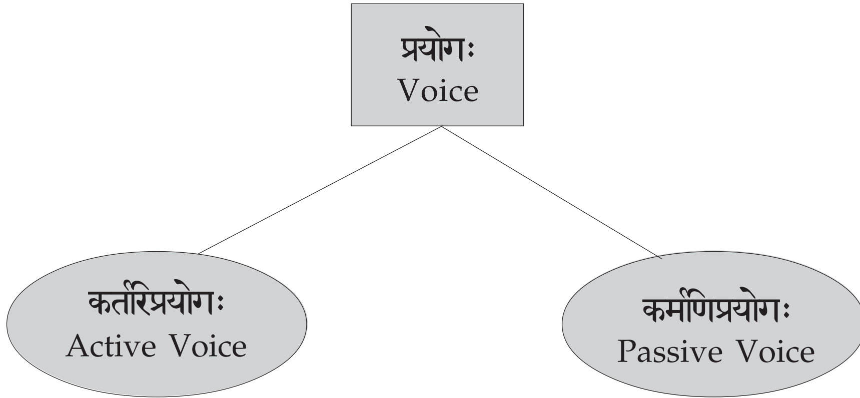


# 11 प्रयोगः
*Voice*

Sanskrit language permits three kinds of voice: (1) कर्तरिप्रयोगः (2) कर्मणिप्रयोगः and (3) भावेप्रयोगः. We will be studying only the first two voices in this course.

(1) कर्तरिप्रयोगः *or Active Voice* – In this the subject (kartā) is principal and the verb agrees with the subject in person, number and gender.

(2) कर्मणिप्रयोगः *or Passive Voice* – In this the object (karma) is principal and the verb agrees with the object in person, number and gender.






The ātmanepadī terminations play an important role in changing a sentence from kartariprayoga to karmaṇiprayoga. The following table gives the present tense and the past tense ātmanepadī terminations.

## आत्मनेपदी *Terminations*

Present (लट्)

| | | |
|---|---|---|
| ते | इते | अन्ते |
| से | इथे | ध्वे |
| इ | आवहे | आमहे |

| | | |
|---|---|---|
| पचते | पचेते | पचन्ते |
| पचसे | पचेथे | पचध्वे |
| पचे | पचावहे | पचामहे |

Past (लङ्)

| | | |
|---|---|---|
| त | इताम् | अन्त |
| थाः | इथाम् | ध्वम् |
| इ | आवहि | आमहि |

| | | |
|---|---|---|
| अपचत | अपचेताम् | अपचन्त |
| अपचथाः | अपचेथाम् | अपचध्वम् |
| अपचे | अपचावहि | अपचामहि |



In order to change active voice verb into passive voice verb, य is added to the verbal root and then the आत्मनेपदी terminations are added.

*Example:*

*Active Voice :* पचति

*Passive Voice:* पच्यते

Thus, in order to change the active voice पचति into passive voice, the verbal root पच् (to cook) is taken, य is added, and then the present tense termination of आत्मनेपदी is added.

*Here are a few more examples:*

1. नमति नम्यते ( नम् – to worship)
2. पठति पठ्यते ( पठ् – to learn)
3. याचति याच्यते ( याच् – to beg)
4. नयति नीयते ( नी – to lead)

In passive voice, the subject takes the third case and the object takes the first case. The verb must agree with the object in number and person.

*Example:*

भक्तः देवं नमति । The devotee worships the Lord. (A.V.)

भक्तेन देवः नम्यते । The Lord is being worshipped by the devotee. (P.V.)

In order to change the active voice sentence भक्तः देवं नमति into a passive voice sentence, change the subject भक्तः to its third case and the object देवं to its first case, and the verb into its passive form. Then we get the passive voice sentence भक्तेन देवः नम्यते।



*Here are a few more examples:*

| | |
|---|---|
| 1. सीता भोजनं पचति । | Sītā cooks food. (A.V.) |
| सीतया भोजनं पच्यते । | The food is being cooked by Sītā. (P.V.) |
| 2. नृपः चोरं दण्डयति । | The king punishes the thief. (A.V.) |
| नृपेण चोरः दण्ड्यते । | The thief is being punished by the king. (P.V.) |
| 3. अहं देवान् पूजयामि । | I worship the devas. (A.V.) |
| मया देवाः पूज्यन्ते । | The devas are worshipped by me. (P.V.) |
| 4. भृत्याः भारं नयन्ति । | The servants are carrying load. (A.V.) |
| भृत्यैः भारः नीयते । | The load is being carried by the servants. (P.V.) |
| 5. अहं संस्कृतं पठामि। | I study Sanskrit. (A.V.) |
| मया संस्कृतं पठ्यते। | Sanskrit is studied by me. (P.V.) |



# 12 सन्धिः

## *Combination*

When two words come together, the last letter of the first word and the first letter of the second word are combined together using certain rules. The combination of these letters is known as 'sandhi'.

There are three kinds of sandhis:

(1) **स्वर-सन्धिः** When two vowels are combined together it is known as 'svara-sandhi'.

(2) **व्यञ्जन-सन्धिः** When two consonants are combined together it is known as 'vyañjana-sandhi'.

(3) **विसर्ग-सन्धिः** When visarga (:) is joined with any vowel or a consonant it is known as 'visarga-sandhi'.



The following table gives a complete classification of all the letters of the Sanskrit alphabet. This table will be useful while learning sandhis especially vyañjana-sandhi.

| स्वराः *Vowels* | व्यञ्जनानि *Consonants* | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कठोरव्यञ्जनानि *Hard Consonants* | | | मृदुव्यञ्जनानि *Soft Consonants* | | | | |
| | ऊष्माणः Sibilants | अल्पप्राण Unaspirate | महाप्राण Aspirate | अल्पप्राण Unaspirate | महाप्राण Aspirate | अनुनासिक Nasals | अन्तःस्थ Semivowels | महाप्राण Aspirate |
| अ आ | | क् | ख् | ग् | घ् | ङ् | | ह् |
| इ ई | श् | च् | छ् | ज् | झ् | ञ् | य् | |
| ऋ ॠ | ष् | ट् | ठ् | ड् | ढ् | ण् | र् | |
| ऌ | स् | त् | थ् | द् | ध् | न् | ल् | |
| उ ऊ | | प् | फ् | ब् | भ् | म् | व् | |

ए and ऐ are both guttural and palatal; ओ and औ are guttural and labial; and व is both dental and labial.

The following table gives the three types of sandhis and their subdivisions.

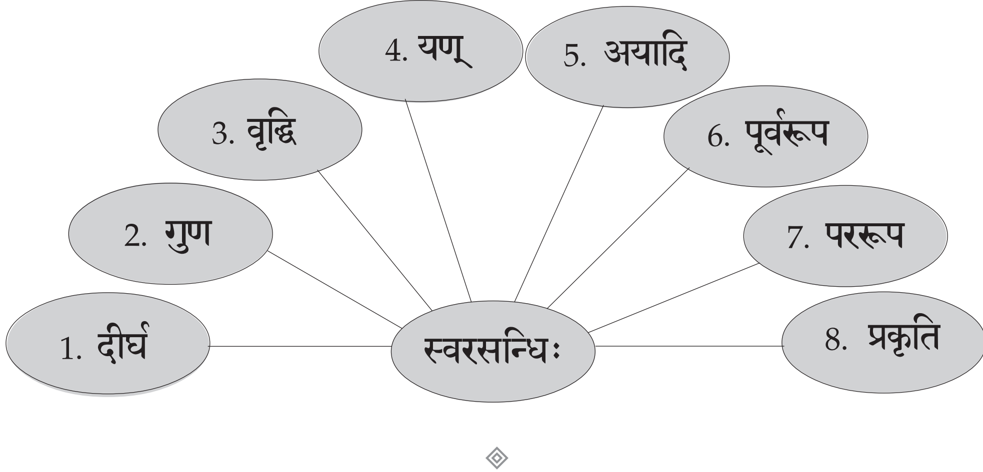
सन्धिः

| स्वर-सन्धिः (अच् सन्धिः) | व्यञ्जन-सन्धिः (हल् सन्धिः) | विसर्ग-सन्धिः |
|---|---|---|
| 1. दीर्घसन्धिः | 1. चर्त्वसन्धिः | 1. उकारः |
| 2. गुणसन्धिः | 2. जश्त्वसन्धिः | 2. लोपः |
| 3. वृद्धिसन्धिः | 3. अनुनासिकसन्धिः | 3. रेफः |
| 4. यण्सन्धिः | 4. अनुस्वारसन्धिः | 4. सकारः |
| 5. अयादिसन्धिः | 5. परसवर्णसन्धिः | |
| 6. पूर्वरूपसन्धिः | 6. श्चुत्वसन्धिः | |
| 7. पररूपसन्धिः | 7. ष्टुत्वसन्धिः | |
| 8. प्रगृह्यसन्धिः | 8. पूर्वसवर्णसन्धिः | |
| | 9. छत्वसन्धिः | |
| | 10. ङमुडागमसन्धिः | |



## 12.1 स्वर-सन्धिः

When two vowels are combined together it is known as स्वर-सन्धिः. It can be divided into 8 types.




◈

### 12.1.1 दीर्घसन्धिः

**अकः सवर्णे दीर्घः** – *Pāṇini Sūtra (6.1.101)*

If अ, इ, उ, and ऋ short or long, are followed by the same vowel – short or long – they are combined to make the long vowel आ, ई, ऊ and ॠ.

(A)

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | + | अ | = | आ | आ | + | अ | = | आ |
| अ | + | आ | = | आ | आ | + | आ | = | आ |

*Example:* मुर + अरिः = मुरारिः

The first word मुर ends with the short vowel अ; अरिः begins with the short vowel अ. When these two short vowels combine they form the long आ.

*Here are a few more examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| देश | + | अटनम् | = | देशाटनम् |
| राम | + | अवतारः | = | रामावतारः |
| देव | + | आलयः | = | देवालयः |
| फल | + | आहारः | = | फलाहारः |
| विद्या | + | अभ्यासः | = | विद्याभ्यासः |
| विद्या | + | आलयः | = | विद्यालयः |
| पुस्तक | + | आलयः | = | पुस्तकालयः |

(B)

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| इ | + | इ | = | ई | इ | + | ई | = | ई |
| ई | + | इ | = | ई | ई | + | ई | = | ई |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| कवि | + | ईश्वरः | = | कवीश्वरः |
| मही | + | ईशः | = | महीशः |
| यति | + | इन्द्रः | = | यतीन्द्रः |
| रवि | + | इन्द्रः | = | रवीन्द्रः |
| गिरि | + | ईश्वरः | = | गिरीश्वरः |
| लक्ष्मी | + | ईशः | = | लक्ष्मीशः |
| मही | + | इन्द्रः | = | महीन्द्रः |

(C)

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उ | + | उ | = | ऊ | उ | + | ऊ | = | ऊ |
| ऊ | + | उ | = | ऊ | ऊ | + | ऊ | = | ऊ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| भानु | + | उदयः | = | भानूदयः |
| सिन्धु | + | ऊर्मिः | = | सिन्धूर्मिः |
| तनु | + | ऊर्ध्वम् | = | तनूर्ध्वम् |
| वधू | + | उत्सवः | = | वधूत्सवः |
| रघु | + | उत्तमः | = | रघूत्तमः |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| कटु | + | उक्तिः | = | कटूक्तिः |

(D)

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ऋ | + | ऋ | = | ॠ | ऋ | + | ॠ | = | ॠ |
| ॠ | + | ऋ | = | ॠ | ॠ | + | ॠ | = | ॠ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| पितृ | + | ऋणम् | = | पितॄणम् |
| मातृ | + | ऋद्धिः | = | मातॄद्धिः |
| मातृ | + | ऋणम् | = | मातॄणम् |
| मातृ | + | ऋत्विजः | = | मातॄत्विजः |



### 12.1.2 गुणसन्धिः

**अदेङ्गुणः** – *Pāṇini Sūtra (1.1.2)*

If the vowels इ, उ, ऋ and ऌ short or long, follow अ or आ, then they are substituted with ए , ओ, अर् and अल् respectively.

(A)

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | + | इ | = | ए | अ | + | ई | = | ए |
| आ | + | इ | = | ए | आ | + | ई | = | ए |

*Example:* उप + इन्द्रः = उपेन्द्रः

The vowel इ in the second word इन्द्रः follows अ in the first word उप. A single vowel ए is substituted in the place of both अ and इ. Thus, we have उप + इन्द्रः = उपेन्द्रः

*Here are some more examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ईश्वर | + | इच्छा | = | ईश्वरेच्छा |
| लता | + | इव | = | लतेव |
| पूर्ण | + | इन्दुः | = | पूर्णेन्दुः |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| गण | + | ईशः | = | गणेशः |
| राम | + | ईश्वरः | = | रामेश्वरः |
| उमा | + | ईशः | = | उमेशः |
| महा | + | इच्छा | = | महेच्छा |

(B)

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | + | उ | = | ओ | अ | + | ऊ | = | ओ |
| आ | + | उ | = | ओ | आ | + | ऊ | = | ओ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| पर | + | उपकारः | = | परोपकारः |
| सूर्य | + | उदयः | = | सूर्योदयः |
| देश | + | उन्नतिः | = | देशोन्नतिः |
| गङ्गा | + | उदकम् | = | गङ्गोदकम् |
| हित | + | उपदेशः | = | हितोपदेशः |
| महा | + | ऊर्मिः | = | महोर्मिः |
| चन्द्र | + | उदयः | = | चन्द्रोदयः |
| गृह | + | ऊर्ध्वम् | = | गृहोर्ध्वम् |

(C)

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | + | ऋ | = | अर् | अ | + | ॠ | = | अर् |
| आ | + | ऋ | = | अर् | आ | + | ॠ | = | अर् |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| देव | + | ऋषिः | = | देवर्षिः |
| ब्रह्म | + | ऋषिः | = | ब्रह्मर्षिः |
| राजा | + | ऋषिः | = | राजर्षिः |
| महा | + | ऋषिः | = | महर्षिः |
| सप्त | + | ऋषिः | = | सप्तर्षिः |
| वसन्त | + | ऋतुः | = | वसन्तर्तुः |

### 12.1.3 वृद्धिसन्धिः

**वृद्धिरादैच्** – *Pāṇini Sūtra (1. 1. 1)*

If अ or आ is followed by ए or ऐ , they are combined to become ऐ.

If अ or आ is followed by ओ or औ, they are combined to become औ.

(A)

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | + | ए | = | ऐ | | अ | + | ऐ | = | ऐ |
| आ | + | ए | = | ऐ | | आ | + | ऐ | = | ए |

*Example:* मम + एव = ममैव

In मम + एव note that the vowel ए follows अ in मम. The vowel ऐ is substituted in the place of अ and ए . Thus we have मम + एव = ममैव.

*Some more examples are given below:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| एक | + | एकम् | = | एकैकम् |
| सदा | + | एव | = | सदैव |
| विश्व | + | एकता | = | विश्वैकता |
| मत | + | ऐक्यम् | = | मतैक्यम् |
| देव | + | ऐश्वर्यम् | = | देवैश्वर्यम् |
| धन | + | ऐश्वर्यम् | = | धनैश्वर्यम् |
| महा | + | ऐश्वर्यम् | = | महैश्वर्यम् |

(B)

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | + | ओ | = | औ | | अ | + | औ | = | औ |
| आ | + | ओ | = | औ | | आ | + | औ | = | औ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| दिव | + | ओकसः | = | दिवौकसः |
| जल | + | ओघः | = | जलौघः |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| परम | + | औचित्यम् | = | परमौचित्यम् |
| महा | + | औषधिः | = | महौषधिः |
| महा | + | औत्सुक्यम् | = | महौत्सुक्यम् |



### 12.1.4 यण्सन्धिः

**इको यणचि** – *Pāṇini Sūtra (3. 1. 77)*

इ, उ, ऋ and ऌ, short or long, when followed by any dissimilar vowel becomes य् , व् , र् and ल् respectively.

(A) इ or ई + any dissimilar vowel (other than इ or ई ) = य्

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| यदि | + | अपि | = | यद्यपि |
| प्रति | + | अक्ष | = | प्रत्यक्ष |
| प्रति | + | एकम् | = | प्रत्येकम् |
| इति | + | आदि | = | इत्यादि |
| अति | + | उत्तमः | = | अत्युत्तमः |
| सुधी | + | उपास्यः | = | सुध्युपास्यः |
| पार्वती | + | अधुना | = | पार्वत्यधुना |

(B) उ or ऊ + any dissimilar vowel (other than उ or ऊ ) = व्

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| अनु | + | एषणम् | = | अन्वेषणम् |
| गुरु | + | आदेशः | = | गुर्वादेशः |
| अनु | + | अयः | = | अन्वयः |
| हेतु | + | अर्थम् | = | हेत्वर्थम् |
| साधु | + | इदम् | = | साध्विदम् |
| साधु | + | ओदनम् | = | साध्वोदनम् |

(C) ऋ or ॠ + dissimilar vowel (other than ऋ or ॠ ) = र्

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| पितृ | + | आज्ञा | = | पित्राज्ञा |
| पितृ | + | अंशः | = | पित्रंशः |
| पितृ | + | औदार्यम् | = | पित्रौदार्यम् |
| मातृ | + | आज्ञा | = | मात्राज्ञा |
| मातृ | + | इच्छा | = | मात्रिच्छा |
| मातृ | + | उद्यानम् | = | मात्रुद्यानम् |



## 12.1.5 अयादिसन्धिः

**एचोऽयवायावः** – *Pāṇini Sūtra (6. 1. 78)*

If ए , ऐ , ओ, and औ are followed by any dissimilar vowel, they become अय् आय् , अव् and आव् respectively.

ए + any dissimilar vowel = अय्
ऐ + any dissimilar vowel = आय्

*Example:* ने + अनम् = नयनम्

The ए in ने is changed to अय् and hence ने + अनम् = नयनम्

*Here are a few more examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| मार्गे | + | आगताः | = | मार्गयागताः |
| श्रियै | + | उद्यतः | = | श्रियायुद्यतः |
| नै | + | अकः | = | नायकः |
| हरे | + | ए | = | हरये |

ओ + any dissimilar vowel = अव्
औ + any dissimilar vowel = आव्

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| पौ | + | अकः | = | पावकः |
| भो | + | अनम् | = | भवनम् |
| विष्णो | + | ए | = | विष्णवे |
| नौ | + | इकः | = | नाविकः |
| विभो | + | इह | = | विभविह |



### 12.1.6 पूर्वरूपसन्धिः

एङः पदान्तादति – *Pāṇini Sūtra (6. 1. 109)*

If ए or ओ at the end of a word is followed by अ, the अ disappears and the sign 'ऽ' (avagraha) is placed instead. This sandhi being an exception to अयादि-सन्धि (refer 12.1.5), the ए or ओ is not changed into अय् or अव् .

*Example:* हरे + अत्र = हरेऽत्र

In हरे + अत्र, अ follows the vowel ए and hence अ is changed to avagraha. The avagraha indicates that the अ is silent.

*A few more examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| लते | + | अव | = | लतेऽव |
| अनते | + | अपि | = | अनतेऽपि |
| गोपालो | + | अहम् | = | गोपालोऽहम् |
| सो | + | अयम् | = | सोऽयम् |



## 12.1.7 पररूपसन्धिः

एङि पररूपम् – *Pāṇini Sūtra (6. 1. 94)*

If अ is followed by ए or ओ, they combine to form the latter, that is ए or ओ.

*Example:* प्र + एजते = प्रेजते

In प्र + एजते the vowel ए is substituted in the place of अ and ए and it becomes प्रेजते.

उप + ओषति = उपोषति

शुद्ध + ओदनः = शुद्धोदनः



## 12.1.8 प्रकृतिभाव सन्धिः

ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम् – *Pāṇini Sūtra (1. 1. 11)*

When any vowel follows a dual noun ending with ई, ऊ or ए, there is no sandhi of the words, that is, they retain their original form. Therefore this sandhi is also called 'prakṛtibhāva-sandhi'.

*Example:* हरी + आगतौ = हरी आगतौ

The word हरी is the prathamā-vibhakti-dvivacana of the word हरि. So there is no sandhi and the form remains as हरी आगतौ.

*Here are a few more examples:*

धेनू + आगच्छतः = धेनू आगच्छतः

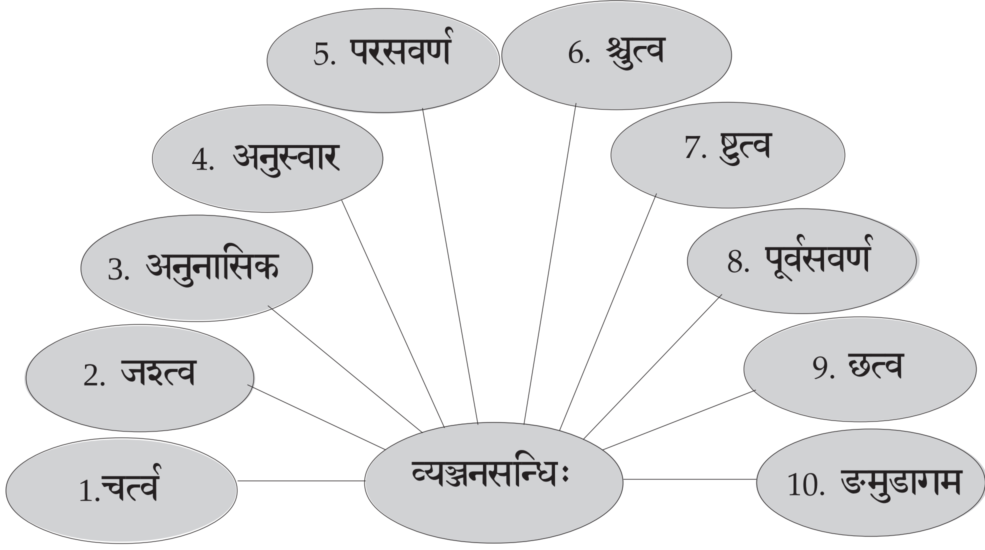
लते + असिञ्चताम् = लते असिञ्चताम्

अमू + अश्वौ = अमू अश्वौ



## 12.2 व्यञ्जनसन्धिः

When two consonants are joined together it is known as vyañjana-sandhi. This is of ten types.






### 12.2.1 चर्त्वसन्धिः

**खरि च** – *Pāṇini Sūtra (8. 4. 55)*

The consonants except nasals and semi-vowels when followed by hard consonants substitute the first letter of their group of consonants (क् च् ट् त् प).

*Example:* विपद् + कालः = विपत्कालः

The द् of विपद् is followed by क which is a hard consonant. So द is substituted by त्, which is the first letter of its group.

*Here are a few more examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| विराड् | + | पुरुषः | = | विराट्पुरुषः |
| सद् | + | कारः | = | सत्कारः |
| सुहृद् | + | क्रीडति | = | सुहृत्क्रीडति |
| दिग् | + | पालः | = | दिक्पालः |
| क्षुध् | + | पिपासा | = | क्षुत्पिपासा |



## 12.2.2. जश्त्वसन्धिः

झलां जशोऽन्ते – *Pāṇini Sūtra (8.2.39)*

The consonants, except nasals, at the end of a word when followed by a vowel or a soft consonant, take the third letter of their group.

*Example:* वाक् + दानम् = वाग्दानम्

The consonant क् is followed by the soft consonant द. The क् is therefore changed into the third letter of its group ग् .

*Here are a few more examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| दिक् | + | गजः | = | दिग्गजः |
| अच् | + | अन्तः | = | अजन्तः |
| जगत् | + | ईशः | = | जगदीशः |
| प्राक् | + | एव | = | प्रागेव |
| परिव्राट् | + | वदति | = | परिव्राड्वदति |
| अप् | + | घटः | = | अब्घटः |
| दिक् | + | अम्बरः | = | दिगम्बरः |



### 12.2.3 अनुनासिकसन्धिः

**यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा** – *Pāṇini Sūtra (8. 4. 45)*

When a word ends in a consonant other than ह् and is followed by a nasal, the final consonant of the first word is optionally substituted by the nasal of its group.

*Example:* एतद् + मुरारिः = एतन्मुरारिः/ एतद्मुरारिः

The word एतद् ends with the consonant द् and is followed by the nasal म् . So the consonant द् takes up the nasal of its class, which is न्, and thus we get एतन्मुरारिः.

*A few more examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| षट् | + | मासाः | = | षण्मासाः / षट्मासाः |
| जगत् | + | नाथः | = | जगन्नाथः/ जगत्नाथः |
| प्राक् | + | मुखम् | = | प्राङ्मुखम् / प्राक्मुखम् |
| सद् | + | मतिः | = | सन्मतिः / सद्मतिः |

But when the end consonant of a word is followed by the suffixes मय and मात्र, the change into nasal is compulsory.

*Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चित् | + | मयम् | = | चिन्मयम् |
| तत् | + | मात्रम् | = | तन्मात्रम् |



### 12.2.4. अनुस्वारसन्धिः

(A) **मोऽनुस्वारः** – *Pāṇini Sūtra (8. 3. 23)*

If म् is followed by any consonant then म् is replaced by anusvāra.

*Examples :*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| हरिम् | + | वन्दे | = | हरिं वन्दे |
| कार्यम् | + | कुरु | = | कार्यं कुरु |
| धर्मम् | + | चर | = | धर्मं चर |
| सत्यम् | + | वद | = | सत्यं वद |
| सत्त्वरम् | + | याति | = | सत्त्वरं याति |
| रामम् | + | भजामि | = | रामं भजामि |

(B) नश्चापदान्तस्य झलि – *Pāṇini Sūtra ( 8. 3. 24 )*

म् and न् occurring within the middle of the word, when followed by a consonant except a nasal or a semi vowel or ह्, is changed into anusvāra.

*Example:* यशान् + सि = यशांसि

In यशान् + सि, न् is changed into anusvāra as it followed by the sibilant स्.

*A few more examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| पयान् | + | सि | = | पयांसि |
| नम् | + | स्यति | = | नंस्यति |
| सम् | + | सारः | = | संसारः |



## 12.2.5 परसवर्णसन्धिः

(A) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः – *Pāṇini Sūtra (8. 4. 58)*

The म् or न् occurring within a word is changed into anusvāra, and when followed by any consonant except श्, ष्, स्, or ह्, is changed into a nasal of the following consonant.

*Example:* अं + कितः = अङ्कितः

In this example अं is followed by the consonant क . So म् is changed into the nasal of its group which is ङ् Thus अं + कितः = अङ्कितः

*Here are a few more examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| मं | + | दिरम् | = | मन्दिरम् |
| कुं | + | ठितः | = | कुण्ठितः |
| शां | + | तः | = | शान्तः |
| गुं | + | फितः | = | गुम्फितः |

(B) वा पदान्तस्य – *Pāṇini Sūtra (8. 4. 59 )*

But the nasal at the end of a word is optionally changed into anusvāra in accordance with the above rule.

*Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| त्वं | + | करोषि | = | त्वङ्करोषि / त्वं करोषि |
| तृणं | + | चरति | = | तृणञ्चरति / तृणं चरति |
| ग्रामं | + | गच्छति | = | ग्रामङ्गच्छति / ग्रामं गच्छति |

(C) तोर्लि – *Pāṇini Sūtra (8. 4. 60)*

If a consonant of the त group is followed by ल्, the consonant of the त group changes into ल्.

*Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| तत् | + | लीनः | = | तल्लीनः |
| उद् | + | लेखः | = | उल्लेखः |
| जगत् | + | लक्ष्मीः | = | जगल्लक्ष्मीः |
| विलसत् | + | लङ्का | = | विलसल्लङ्का |



### 12.2.6 श्चुत्वसन्धिः

(A) स्तोः श्चुना श्चुः – *Pāṇini Sūtra (8. 4. 40)*

If स् is followed by श् or the consonants of च group, the स् is changed into श्.

*Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| रामस् | + | शेते | = | रामश्शेते |
| मनस् | + | चञ्चलम् | = | मनश्चञ्चलम् |
| रामस् | + | चिनोति | = | रामश्चिनोति |
| शिशस् | + | शेते | = | शिशुश्शेते |

(B) If the consonant of the त group is followed by श् or the consonant of the च group, the consonant of the त group is changed into its corresponding च group consonant.

*Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| सत् | + | चित् | = | सच्चित् |
| महत् | + | चक्रम् | = | महच्चक्रम् |
| बृहत् | + | छत्रम् | = | बृहच्छत्रम् |



### 12.2.7 ष्टुत्वसन्धिः

(A) ष्टुना ष्टुः – *Pāṇini Sūtra (8. 4. 41)*

If स् is followed by ष् or the consonant of the ट group, the स् is changed into ष्.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| रामस् | + | षष्ठः | = | रामष्षष्ठः |
| धनुस् | + | टङ्कारः | = | धनुष्टङ्कारः |
| बालस् | + | षष्ठः | = | बालष्षष्ठः |

(B) If the consonants of the त group is followed by the consonants of the ट

group, the consonant of the त group is changed into its corresponding consonant of the ट group.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| महद् | + | डिण्डिमः | = | महड्डिण्डिमः |
| तत् | + | टीका | = | तट्टीका |
| बृहत् | + | टीका | = | बृहट्टीका |
| चक्रिन् | + | ढौकसे | = | चक्रिण्ढौकसे |
| बृहत् | + | टङ्कशाला | = | बृहट्टङ्कशाला |
| उत् | + | टङ्कनम् | = | उट्टङ्कनम् |
| उत् | + | ज्वलः | = | उज्ज्वलः |
| महान् | + | जयः | = | महाञ्जयः |
| अन्यत् | + | च | = | अन्यच्च |



### 12.2.8 पूर्वसवर्णसन्धिः

**झयो होऽन्यतरस्याम्** – *Pāṇini Sūtra (8. 4. 62)*

If ह् comes after any of the first four letters of a group, the ह् is optionally changed to the fourth letter of that group. The end consonant of the first word changes into the third letter of its group.

*Example:* वाक् + हरिः = वाग्हरिः/वाग्घरिः

वाक् ends with the consonant क् which is changed into ग् which is the third letter of its group. ह् is optionally changed into घ्.

*A few more examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| पतत् | + | हिमम् | = | पतद्हिमम् /पतद्धिमम् |
| तत् | + | हितः | = | तद्हितः/तद्धितः |
| अप् | + | हरणम् | = | अब्हरणम्/अब्भरणम् |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| दिक् | + | हस्ती | = | दिग्हस्ती/दिग्घस्ती |
| सम्राट् | + | हितकर | = | सम्राड्हितकर/सम्राड्ढितकर |



### 12.2.9 छत्वसन्धिः

**शश्छोऽटि** – *Pāṇini Sūtra (8. 4. 63)*

If श् is followed by a vowel, semi-vowel or ह and is preceded by a word ending in any of the first four letters of a group, श् is changed into छ् optionally. The त् of the first word changes into च्.

*Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| तत् | + | शिवः | = | तच्शिवः / तच्छिवः |
| तत् | + | शीलः | = | तच्शीलः / तच्छीलः |
| जगत् | + | शरणम् | = | जगच्शरणम् / जगच्छरणम् |
| उत् | + | शिष्टः | = | उच्शिष्टः / उच्छिष्टः |
| सत् | + | शास्त्रम् | = | सच्शास्त्रम् / सच्छास्त्रम् |



### 12.2.10 ङमुडागमसन्धिः

**ङमो ह्रस्वादचि ङमुण्नित्यम्** – *Pāṇini Sūtra (8. 3. 32)*

If a word ends in ङ्, ण् or न्, is preceded by a short vowel and is followed by any vowel, then ङ्, ण् or न् is doubled.

*Examples:*

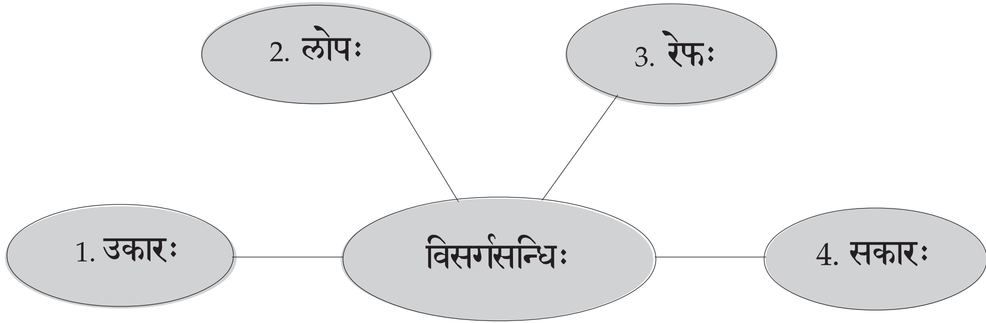
| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| प्रत्यङ् | + | आत्मा | = | प्रत्यङ्ङात्मा |
| धावन् | + | अश्वः | = | धावन्नश्वः |
| हसन् | + | अत्ति | = | हसन्नत्ति |
| सुगण् | + | ईशः | = | सुगण्णीशः |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| गच्छन् | + | अस्ति | = | गच्छन्नस्ति |
| स्मरन् | + | उवाच | = | स्मरन्नुवाच |



## 12.3 विसर्गसन्धिः

When visarga (:) is combined with any vowel or consonant it is known as 'visarga sandhi' There are 4 types in this sandhi.




### 12.3.1 उकारः

If a visarga (ः) is preceded by अ and is followed by a soft consonant or अ then the visarga is changed into उ (अ + उ = ओ ) ( अ = ऽ).

The soft consonants do not change whereas अ changes to avagraha (ऽ).

*Example:* शिवः + अर्च्यः = शिवोऽर्च्यः

In the word शिवः the visarga is preceded by the vowel अ and is followed by अ in अर्च्यः. Thus the visarga in शिवः changes to उ. Again अ and उ combine to become ओ and thus we get शिवोऽर्च्यः.

*A few more examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| रामः | + | अपि | = | रामोऽपि |
| कः | + | अयम् | = | कोऽयम् |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| गोविन्दः | + | अहम् | = | गोविन्दोऽहम् |
| अधः | + | गति | = | अधो गति |
| मनः | + | बलम् | = | मनो बलम् |



## 12.3.2 लोपः

(A) If visarga is preceded by आ and is followed by any vowel or a soft consonant, the visarga is dropped.

*Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| अश्वाः | + | अमी | = | अश्वा अमी |
| पुत्राः | + | जाताः | = | पुत्रा जाताः |
| अश्वाः | + | धावन्ति | = | अश्वा धावन्ति |
| जनाः | + | गच्छन्ति | = | जना गच्छन्ति |
| ताराः | + | उदिताः | = | तारा उदिताः |
| हताः | + | गजाः | = | हता गजाः |

(B) If a visarga is preceded by अ and is followed by any vowel other than the short अ, the visarga is dropped.

*Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| कुतः | + | आगताः | = | कुत आगताः |
| नरः | + | इव | = | नर इव |
| चन्द्रः | + | उदेति | = | चन्द्र उदेति |
| देवः | + | ऋषिः | = | देव ऋषिः |
| कृष्णः | + | एति | = | कृष्ण एति |
| कः | + | एषः | = | क एषः |

(C) If any consonant or vowel except short अ follows सः or एषः, the visarga is dropped.

*Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| सः | + | आगच्छति | = | स आगच्छति |
| सः | + | शम्भुः | = | स शम्भुः |
| एषः | + | विष्णुः | = | एष विष्णुः |

(D) The words भोः, भगोः and अघोः lose their visarga if any vowel or soft consonant follows it.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| भोः | + | अच्युत | = | भो अच्युत |
| अघोः | + | याहि | = | अघो याहि |
| भगोः | + | नमस्ते | = | भगो नमस्ते |



### 12.3.3 रेफः

(A) If visarga is preceded by any vowel except अ or आ and is followed by any vowel or a soft consonant then, visarga is changed into र् .

*Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| हरिः | + | अयम् | = | हरिरयम् |
| गतिः | + | इयम् | = | गतिरियम् |
| रविः | + | उदेति | = | रविरुदेति |
| मुनिः | + | भजति | = | मुनिर्भजति |
| कवेः | + | बुद्धिः | = | कवेर्बुद्धिः |
| गुरोः | + | गृहम् | = | गुरोर्गृहम् |

(B) Having changed visarga into र् ( ः = र् ), if the first letter of the following word is again र्, the र् of the first word disappears and the short vowels अ, इ or उ before र् of the first word is then changed to आ, ई or ऊ respectively.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| हरिर् (हरिः) | + | रम्यः | = | हरी रम्यः |

The visarga in हरिः is changed into र् and then when it combines with र् of the following word रम्यः, the र् in the हरिर् (हरिः) is dropped and the vowel is lengthened. Thus हरिर् (हरिः) becomes हरी.

*A few more Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| निर् | + | रसः | = | नीरसः |
| शम्भुर् | + | राजते | = | शम्भू राजते |
| भ्रातुर् | + | रोदनम् | = | भ्रातू रोदनम् |
| पितर् | + | रक्ष | = | पिता रक्ष |



### 12.3.4. सकारः

(A) When visarga is followed by त् or थ् then the visarga is changed into स्.

*Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| मनः | + | तापः | = | मनस्तापः |
| रामः | + | तिष्ठति | = | रामस्तिष्ठति |
| विष्णुः | + | त्राता | = | विष्णुस्त्राता |

If visarga is followed by च् or छ् then the visarga becomes श्.

*Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| गौः | + | चरति | = | गौश्चरति |
| कः | + | चित् | = | कश्चित् |
| मृगः | + | चरति | = | मृगश्चरति |

If visarga is followed by ट् or ठ् then the visarga is changed to ष्.

*Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| रामः | + | टीकते | = | रामष्टीकते |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| धनुः | + | टंकारः | = | धनुष्टंकारः |

(B) If श्, ष् or स् follows a visarga then the visarga is changed into श्, ष् or स् optionally.

*Examples:*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| हरिः | + | शेते | = | हरिश्शेते/हरिः शेते |
| सुप्तः | + | शिशुः | = | सुप्तश्शिशुः/सुप्तः शिशुः |
| कविः | + | श्रुणोति | = | कविश्श्रुणोति/कविः श्रुणोति |
| मत्तः | + | षट्पदः | = | मत्तष्षट्पदः/मत्तः षट्पदः |
| पदार्थाः | + | सप्त | = | पदार्थास्सप्त/पदार्थाः सप्त |
| कुमारः | + | सीदति | = | कुमारस्सीदति/कुमारः सीदति |



# 13 शास्त्राणि
## *Scriptures*

Five well known ślokas from *Śrīmad Vālmīki Rāmāyaṇam, Śrīmad Bhagavad Gītā, Śrīmad Bhāgavatam, Manusmṛti, Upaniṣads* and *Raghuvamśa* are given below along with their prose order. With the knowledge that you have gained from this study of Sanskrit you should be able to grasp the meaning of these verses.

### 13.1 श्रीमद्वाल्मीकिरामायणम्
### *Śrīmad Vālmīki Rāmāyaṇam*

1. *Sage Viśvāmitra to Daśaratha*

अहं वेद्मि महात्मानं रामं सत्यपराक्रमम्।
वसिष्ठोऽपि महातेजा ये चेमे तपसि स्थिताः॥

The glorious sage Vasiṣṭha and all those who are stead fast in austerity and I know the great Rāma as the possessor of true prowess. *(Bālakāṇḍa 19.14)*

*Prose Order:*

अहं सत्यपराक्रमं महात्मानं (इति) रामं वेद्मि, महातेजा वसिष्ठः इमे ये तपसि स्थिताः च अपि विदन्ति।

2. *King Daśaratha to Sage Viśvāmitra*

ऊनषोडशवर्षो मे रामो राजीवलोचनः।
न युद्धयोग्यतामस्य पश्यामि सह राक्षसैः॥

My lotus-eyed Rāma is less than sixteen years old. I do not perceive his capacity to wage war with the Rākṣasas. *(Bālakāṇḍa 20.2)*

*Prose Order:*

मे राजीवलोचनः रामो ऊनषोडशवर्षः (भवति), अस्य राक्षसैः सह युद्धयोग्यतां न पश्यामि।

3. *Sage Viśvāmitra to Śrī Rāma and Lakṣmaṇa*

कौसल्यासुप्रजा राम पूर्वा सन्ध्या प्रवर्तते।

उत्तिष्ठ नरशार्दूल कर्तव्यं दैवमाह्निकम् ॥

O Rāma! the worthy son of Kausalyā, the morning twilight has set in. Get up. O tiger among men! Contemplation on the deity and the daily duties have to be performed. *(Bālakāṇḍa 23.2)*

*Prose Order:*

हे राम, कौसल्यासुप्रजा, पूर्वा सन्ध्या प्रवर्तते, नरशार्दूल उत्तिष्ठ, दैवम् आह्निकम् कर्तव्यम्।

4. *Janaka to Śrī Rāma*

इयं सीता मम सुता सहधर्मचरी तव।
प्रतीच्छ चैनां भद्रं ते पाणिं गृह्णीष्व पाणिना॥

This Sītā, my daughter, is your companion in discharging your sacred duties. Take her hand in your own and accept her. May good betide you. (*Bālakāṇḍa 73.26*)

*Prose Order:*

इयं सीता मम सुता तव सहधर्मचरी (भवति), एनां च प्रतीच्छ पाणिना पाणिं गृह्णीष्व, ते भद्रम् (अस्तु)।

5. *Sumitrā to Lakṣmaṇa*

रामं दशरथं विद्धि मां विद्धि जनकात्मजाम्।
अयोध्यामटवीं विद्धि गच्छ तात यथा सुखम्॥

Consider Rāma to be Daśaratha, look upon Sītā as myself, experience the forest as Ayodhyā and depart happily, my dear. *(Ayodhyākāṇḍa 40.9)*

*Prose Order:*

तात, रामं दशरथं विद्धि, जनकात्मजां मां विद्धि। अटवीं अयोध्यां विद्धि, यथा सुखं गच्छ।



## 13.2 श्रीमद्भगवद्गीता

## *Śrīmad Bhagavad Gītā*

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूः मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥

Thy right is to work only but never to its fruits; let the fruit of action be not thy motive, nor let thy attachment be to inaction. *(Chapter 2.47)*

*Prose Order:*

कर्मणि एव ते अधिकारः, फलेषु मा कदाचन, कर्मफलहेतुः मा भूः, ते सङ्गः अकर्मणि मा अस्तु।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

Whenever there is decay of righteousness, O Bhārata, and unrighteousness, is on the rise, then I manifest Myself. *(Chapter 4.7)*

*Prose Order:*

हे भारत, यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिः भवति, अधर्मस्य अभ्युत्थानं (भवति), तदा अहम् आत्मानं सृजामि।

परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे॥

I am born in every age for the protection of the good, for the destruction of the wicked, and for the establishment of righteousness. *(Chapter 4.8)*

*Prose Order:*

साधूनां परित्राणाय, दुष्कृतां विनाशाय, धर्मसंस्थापनार्थाय च, युगे युगे सम्भवामि।

पत्रं पुष्पं फलं तोयं यो मे भक्त्या प्रयच्छति।
तदहं भक्त्युपहृतं अश्नामि प्रयतात्मनः॥

Whoever offers Me with devotion a leaf, a flower, a fruit, water, that I accept, offered by the pure minded with devotion. *(Chapter 9.26)*

*Prose Order:*

यः मे पत्रं पुष्पं फलं तोयं भक्त्या प्रयच्छति प्रयतात्मनः, भक्त्या उपहृतं तत् अहम् अश्नामि।

सर्वधर्मान् परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज।
अहं त्वा सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः॥

Abandoning all dharmas, take refuge in Me alone; I will liberate thee from all sins; grieve not. *(Chapter 18.66)*

*Prose Order:*

सर्वधर्मान् परित्यज्य माम् एकं शरणं व्रज, अहं सर्वपापेभ्यः त्वा मोक्षयिष्यामि, मा शुचः।



## 13.3 श्रीमद्भागवतम्
## *Śrīmad Bhāgavatam*

निशीथे तम उद्भूते जायमाने जनार्दने।
देवक्यां देवरूपिण्यां विष्णुः सर्वगुहाशयः।
आविरासीद् यथा प्राच्यां दिशीन्दुरिव पुष्कलः॥

In the pitch darkness of midnight, Mahāviṣṇu, the dweller of all hearts, was born of the divinely beautiful Devakī, like the full moon rising on the eastern horizon. *(Skandha 10.3.8)*

*Prose Order:*

सर्वगुहाशयः विष्णुः निशीथे तम उद्भूते जायमाने जनार्दने देवक्यां देवरूपिण्यां यथा प्राच्यां दिशि पुष्कलः इन्दुः इव आविरासीत् ।

तव विक्रीडितं कृष्ण नृणां परममङ्गलम्।
कर्णपीयूषमास्वाद्य त्यजत्यन्यस्पृहां जनः॥

O Kṛṣṇa! hearing about your holy and auspicious sports, which is a real nectar

for the ear, the people leave all other desires. *(Skandha 11.6.44)*

*Prose Order:*

हे कृष्ण, नृणां परममङ्गलं कर्णपीयूषं तव विक्रीडितं जनः आस्वाद्य अन्यस्पृहां त्यजति।

सर्ववेदान्तसारं हि श्रीभागवतमिष्यते।
तद्रसामृततृप्तस्य नान्यत्र स्याद् रतिः क्वचित् ॥

This *Bhāgavata* being the essence of all Vedānta, it is natural that one who is satisfied in its study does not feel interest in any other text. *(Skandha 12.13.15)*

*Prose Order:*

श्रीभागवतं सर्ववेदान्तसारं हि इष्यते। तत् रसामृततृप्तस्य अन्यत्र क्वचित् रतिः न स्यात्।

न खलु गोपिकानन्दनो भवानखिलदेहिनामन्तरात्मदृक्।
विखनसार्थितो विश्वगुप्तये सख उदेयिवान् सात्वतां कुले॥

O Friend! you are not merely the Gopikā's son, but the witness of the inner essence of all embodied beings. Prayed by Brahmā, you have risen in the clan of the Yadus for the protection of the world. *(Skandha 10.31.4)*

*Prose Order:*

सख भवान् न खलु गोपिकानन्दनः, अखिलदेहिनां अन्तरात्मदृक् विखनसार्थितः (भवान्) विश्वगुप्तये सात्वतां कुले उदेयिवान्।

निरपेक्षं मुनिं शान्तं निर्वैरं समदर्शनम्।
अनुव्रजाम्यहं नित्यं पूयेयेत्यङ्घ्रिरेणुभिः॥

I always follow the sage who desires nothing, who is always tranquil in order that I may get purified by the dust of his feet. *(Skandha 11.14.16)*

*Prose Order:*

अहं अङ्घ्रिरेणुभिः पूयेयेत् (इति चिन्तयन्) निरपेक्षं निर्वैरं समदर्शनं शान्तं मुनिं नित्यम् अनुव्रजामि।



13.4 मनुस्मृतिः

***Manusmṛti***

न जातु कामः कामानाम् उपभोगेन शाम्यति।
हविषा कृष्णवर्त्मेव भूयैवाभिवर्धते॥

Desire is never satisfied by the enjoyment of its objects. Like fire fed with ghee, it only flares up all the more. *(Chapter 2.94)*

*Prose Order:*

कामः कामानाम् उपभोगेन न जातु शाम्यति। हविषा कृष्णवर्त्म इव भूय एव अभिवर्धते।

श्रुत्वा स्पृष्ट्वा च दृष्ट्वा च भुक्त्वा घ्रात्वा च यो नरः।
न हृष्यति ग्लायति वा स विज्ञेयो जितेन्द्रियः॥

One who, having heard, having touched, having seen, having tasted and having smelt does not become joyful nor sink in sorrow, is declared as one who has conquered his senses. *(Chapter 2.98)*

*Prose Order:*

यः नरः श्रुत्वा स्पृष्ट्वा दृष्ट्वा भुक्त्वा घ्रात्वा न हृष्यति ग्लायति वा सः जितेन्द्रियः विज्ञेयः।

सर्वं परवशं दुःखं सर्वमात्मवशं सुखम्।
एतद्विद्यात्समासेन लक्षणं सुखदुःखयोः॥

Sorrow is for one who depends on the external world; joy for one who depends on one's own self. Know this to be the nature of joy and sorrow. *(Chapter 4.160)*

*Prose Order:*

सर्वं परवशं दुःखम्। सर्वम् आत्मवशं सुखम्। एतत् सुखदुःखयोः लक्षणं समासेन विद्यात्।

धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः।
तस्माद्धर्मो न हन्तव्यो मा नो धर्मो हतोऽवधीत्॥

Dharma destroys its destroyer. Dharma protects its protector. Therefore

virtues should not be destroyed. Let not such dharma (which has been destroyed) destroy us. *(Chapter 8.15)*

*Prose Order:*

हतः धर्मः एव हन्ति। रक्षितः धर्मः रक्षति। तस्मात् धर्मः न हन्तव्यः। हतः धर्मः नः मा अवधीत् ।

> अज्ञेभ्यो ग्रन्थिनः श्रेष्ठाः ग्रन्थिभ्यो धारिणो वराः।
> धारिभ्यो ज्ञानिनः श्रेष्ठाः ज्ञानिभ्यो व्यवसायिनः॥

Greater than the ignorant are those who have read the scriptures. Still greater are those who have memorized them. Greater still are those who know their meaning. The best are those who put them to practice. *(Chapter 12.103)*

*Prose Order:*

अज्ञेभ्यः श्रेष्ठाः ग्रन्थिनः, ग्रन्थिभ्यः वराः धारिणः, धारिभ्यः श्रेष्ठाः ज्ञानिनः, ज्ञानिभ्यः व्यवसायिनः (श्रेष्ठाः) ।



## 13.5 उपनिषद्

***Upaniṣad***

> द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया समानं वृक्षं परिषस्वजाते।
> तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्ति अनश्नन्नन्यो अभिचाकशीति॥

Two birds bound to one other in close friendship, perch on the same tree. One of them eats the fruits of the tree with relish, while the other looks on without eating. *(Muṇḍakopaniṣad 3.1.1)*

*Prose Order:*

सयुजा सखाया द्वा सुपर्णा समानं वृक्षं परिषस्वजाते। तयोः अन्यः स्वादु पिप्पलं अत्ति। अन्यः अनश्नन् अभिचाकशीति।

प्रणवो धनुः शरो ह्यात्मा ब्रह्म तल्लक्ष्यमुच्यते ।
अप्रमत्तेन वेद्धव्यं शरवत् तन्मयो भवेत् ॥

The Praṇava is the bow, the Ātman is the arrow and Brahman is said to be its mark. It should be hit by one who is self-collected and the one who hits becomes, like the arrow, one with the mark, which is Brahman. *(Muṇḍakopaniṣad 2.2.4)*

*Prose Order:*

धनुः प्रणवः, शरः हि आत्मा, लक्ष्यं तत् ब्रह्म उच्यते, अप्रमत्तेन वेद्धव्यं, शरवत् तन्मयः भवेत् ।

उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान् निबोधत ।
क्षुरस्य धारा निशिता दुरत्यया दुर्गं पथस्तत् कवयो वदन्ति ॥

Arise, awake; having reached the great teachers realize that Ātman. Like the sharp edge of a razor is that path, difficult to cross and hard to tread – thus say the wise. *(Kaṭhopaniṣad 1.3.14)*

*Prose Order:*

उत्तिष्ठत, जाग्रत, वरान् प्राप्य निबोधत । कवयः तत् पथः क्षुरस्य धारा निशिता दुरत्यया दुर्गं (इति) वदन्ति ।

आत्मानं रथिनं विद्धि शरीरं रथमेव तु ।
बुद्धिं तु सारथिं विद्धि मनः प्रग्रहमेव च ॥

Know the Ātman as the Lord of the chariot, and the body as the chariot. Know the intellect as the charioteer and the mind verily as the reins. *(Kaṭhopaniṣad 1.3.3)*

*Prose Order:*

आत्मानं रथिनं विद्धि, शरीरं एव तु रथम् (इति विद्धि) । बुद्धिं तु सारथिं विद्धि । मनः प्रग्रहम् एव च (इति विद्धि) ।

इन्द्रियाणि हयानाहुः विषयांस्तेषु गोचरान् ।

आत्मेन्द्रियमनोयुक्तं भोक्तेत्याहुर्मनीषिणः ॥

The senses, they say, are the horses, and their roads are the sense objects. When an individual is united with the body, the sense and the mind, call him the enjoyer. *(Kaṭhopaniṣad 1.3.4)*

Prose Order:

इन्द्रियाणि हयान् आहुः। विषयान् तेषु गोचरान् (आहुः)। आत्मेन्द्रियमनोयुक्तं भोक्ता इति मनीषिणः आहुः।



## 13.6. रघुवंशः

***Raghuvaṁśa***

वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ ॥

I bow down to Pārvatī and Parameśvara, the world parents, who like word and meaning are unified, so that I may attain right knowledge of word and sense. *(Sarga 1.1)*

*Prose Order:*

वाक्-अर्थ-प्रतिपत्तये वागर्थाविव सम्पृक्तौ जगतः पितरौ पार्वतीपरमेश्वरौ वन्दे।

तावुभावपि परस्परस्थितौ वर्धमानपरिहीनतेजसौ।
पश्यति स्म जनता दिनात्यये पार्वणौ शशिदिवाकराविव ॥

Standing face to face in opposition, on the full moon day, the people beheld them (Rāma and Paraśurāma) like the sun and the moon at the end of the day, with the glory of the one waxing and that of the other waning. *(Sarga 11.82)*

*Prose Order:*

पार्वणौ दिनात्यये शशिदिवाकरौ इव तौ उभौ अपि परस्परस्थितौ वर्धमानपरिहीनतेजसौ जनता पश्यति स्म।

स सीतालक्ष्मणसखः सत्यात् गुरुमलोपयन्।
विवेश दण्डकारण्यं प्रत्येकं च सतां मनः॥

With Lakṣmaṇa and Sītā for companions, helping his father not to stray from truth, he entered the Daṇḍaka forest, and the heart of every good man. *(Sarga 12.9)*

*Prose Order:*

सः सीतालक्ष्मणसखः सत्यात् गुरुम् अलोपयन् , दण्डकारण्यं प्रत्येकं सतां मनः च विवेश।

प्रवृत्तौ उपलब्धायां तस्याः सम्पातिदर्शनात्।
मारुतिः सागरं तीर्णः संसारं इव निर्ममः॥

On meeting Sampāti they got news of Sītā. Māruti crossed the ocean, as a selfless soul transcends this transitory life. *(Sarga 12.60)*

*Prose Order:*

सम्पातिदर्शनात् तस्याः प्रवृत्तौ उपलब्धायां निर्ममः संसारम् इव मारुतिः सागरं तीर्णः।

स सेतुं बन्धयामास प्लवगैः लवणाम्भसि।
रसातलात् इव उन्मग्नं शेषं स्वप्नाय शार्ङ्गिणः॥

Across the briny sea, with the help of the monkeys he built a bridge which resembled Śeṣa rising from the nether regions for Viṣṇu to sleep on. *(Sarga 12.70)*

*Prose Order:*

सः प्लवगैः लवणाम्भसि शार्ङ्गिणः स्वप्नाय रसातलात् उन्मग्नं शेषम् इव सेतुं बन्धयामास।



## *Transliteration and Pronunciation*

In this book, Devanāgarī characters have been transliterated according to the scheme adopted by the International Congress of Orientalists at Athens in 1912. One fixed pronunciation value is given to each letter; f, q, w, x and z are not called to use. According to this scheme:

| | ***sounds like*** | | ***sounds like*** |
|---|---|---|---|
| अ | a o in s*o*n | ड् | ḍ d in *d*og |
| आ | ā in m*a*ster | ढ् | ḍh dh in go*dh*ood |
| इ | i in *i*f | ण् | ṇ n in u*n*der |
| ई | ī ee in f*ee*l | त् | t |
| उ | u u in f*u*ll | थ् | th th in *th*umb |
| ऊ | ū oo in b*oo*t | द् | d th in *th*en |
| ऋ | ṛ ri in *ri*m | ध् | dh theh in brea*the* *h*ere |
| ए | e a in ev*a*de | न् | n |
| ऐ | ai y in m*y* | प् | p |
| ओ | o | फ् | ph ph in loo*p* *h*ole |
| औ | au ow in n*ow* | ब् | b |
| क् | k | भ् | bh bh in a*bh*or |
| ख् | kh ckh in bloc*kh*ead | म् | m |
| ग् | g (hard) | य् | y |
| घ् | gh gh in lo*g*-*h*ut | र् | r |
| ङ् | ṅ ng | ल् | l |
| च् | c ch in *ch*uckle | व् | v in a*v*ert |
| छ् | ch chh in catc*h* *h*im | श् | ś sh in *sh*ut |
| ज् | j | ष् | ṣ s in *s*ugar |
| झ् | jh dgeh in he*dgeh*og | स् | s |
| ञ् | ñ n in ba*n*yan | ह् | h |
| ट् | ṭ t in *t*ank | ं | ṁ |
| ठ् | ṭh th in an*t*-*h*ill | ः | ḥ (half h) |

